हरिभूमि
रायपुर भूमि

घटनास्थल पर मिली नंबर प्लेट के आधार पर कार मालिक की पहचान

नौसिखिया की करतूत...एक के बाद एक आधा दर्जन को कार से ठोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

■ हादसे में एक महिला सहित तीन घायल, आरोपी कार मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज

सरस्वती नगर थाना क्षेत्र के आमानाका ओवरब्रिज पर सुबह साढ़े नौ-दस बजे के करीब तेज रफ्तार कार की टक्कर से अफरा-तफरी मच गई। दुर्ग की ओर से रविशंकर विश्वविद्यालय की दिशा में आने वाले फ्लाईओवर की ढलान पर एक कार ने आधा दर्जन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक महिला सहित तीन लोग घायल

हो गए, जबकि कुछ दोपहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना के बाद महिला कार ड्राइवर कार लेकर फरार हो गई। बताया जा रहा है, महिला नौसीखिया कार चलाने वाली है। फ्लाईओवर टर्निंग में महिला कार को नहीं रोक पाई और अनियंत्रित होकर अन्य गाड़ियों को ठोकर मारते हुए फरार हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार सीजी-04 पीएक्स -8883 नंबर की कार को एक महिला लापरवाही ▶▶।शेष पेज 13 पर

हादसे में तीन घायल

घटना की सूचना मिलते ही सरस्वती नगर थाने की पुलिस के साथ डॉयल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के घटना स्थल पहुंचने से पहले वहां उपस्थित लोग गंभीर रूप से चोटिल महिला तथा एक बाइक सवार को ऑटो में सवार कर उपचार कराने एम्स अस्पताल लेकर पहुंच गए। मौके पर मौजूद घायल ई-रिक्शा चालक ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कैसे हुई घटना

पेशे से ई-रिक्शा चलाने वाला सोन डोंगरी निवासी उत्तम सिंह ने पुलिस को घटना की आंखों देखी बताते हुए शिकायत दर्ज कराई है। ई-रिक्शा चालक ने पुलिस को बताया है कि वह अपने ई-रिक्शा में टाटीबंध आमानाका से सवारी बैठाकर रायपुर सिटी की ओर जा रहा था। जैसे ही आमानाका ओवरब्रिज के ऊपर टर्निंग के पास पहुंचा कि सामने से आ रही हुंडई अल्कजार कार चालक ने अपनी कार को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाकर पहले बाइक एवं एक्टिवा को पहले ठोकर मारी, उसके बाद उसे सामने से आकर ठोकर मारकर एक्सीडेंट किया। एक्सीडेंट से बाइक चालक एवं एक्टिवा चालक महिला घायल हो गई तथा ई-रिक्शा चालक के दाहिने हाथ की कलाई और दाहिने घुटने में चोट लगी है।

खबर संक्षेप

रैपिडो चालक महिला का बैग लेकर हुआ फरार

रायपुर। गंज थाने में एक महिला ने रैपिडो चालक के खिलाफ उनके नोटों से तथा अन्य कीमती सामान से भरा बैग लेकर भागने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बोरियाखुर्द निवासी भावना शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह 22 जुलाई को बोरिखुर्द से फाफाडीह आने रैपिडो बाइक बुक की। बुकिंग के आधार पर भीमगज उर्फ विक्की की बाइक से फाफाडीह के लिए निकली। बाइक से उतारने पेमेंट लेने के बाद रैपिडो चालक महिला का बैग लेकर फरार हो गया। बैग में 56 हजार रुपए कैश सहित कुल 65 हजार रुपए का सामान था।

पत्नी ने की खुदकुशी पति को सात साल कैद

रायपुर। पत्नी को खुदकुशी के लिए प्रेरित करने के आरोप में अपर सत्र न्यायाधीश नरेंद्र कुमार की कोर्ट ने सात वर्ष कैद के साथ पांच सौ रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। अतिरिक्त लोक अभियोजक रितेश अवस्थी के अनुसार, कोर्ट ने धरसींवा निवासी संजय कुमार साहू को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करते हुए उसे प्रताड़ित करता था। आरोपी की पत्नी ने 3 जुलाई 2023 को अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। पुलिस ने संजय की मां को भी आरोपी बनाया था, लेकिन कोर्ट ने उसे दोषमुक्त करार दिया।

शराब बेचते धरा गया कोचिया

रायपुर। टिकरापारा पुलिस ने एक युवक को शराब बेचते गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से साढ़े तीन हजार रुपए कीमत की शराब जब्त की गई है। शराब बेचने के आरोप में पुलिस ने तोरण गायकवाड़ उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 6.300 लीटर शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को भाठागांव, देवपुरी में शराब बेचते गिरफ्तार किया है।

शराब पीने पैसे नहीं दिए तो किशोर को पीटा

रायपुर। शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर दो लड़कों ने एक 16 साल के किशोर के साथ मारपीट की। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। नेहरू नगर निवासी किशोर ने सुबे सागर तथा संदीप के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि दोनों लड़के उससे शराब पीने पैसों की मांग कर रहे थे। इंकार करने पर दोनों लड़कों ने किशोर के साथ मारपीट की।

उद्घाटन के कुछ दिन बाद ही दीवारों पर नमी ने निर्माण की गुणवत्ता को लेकर खड़े किए सवाल

14 करोड़ के सरोना स्टेशन की 8 दिन में खुलने लगीं परतें दीवारों में सीपेज, लिफ्ट बंद, अधिकतर नलों में पानी नहीं

■ 2047 के विजन को ध्यान में रखकर विकसित स्टेशन पर यात्रियों को अब भी नहीं मिल रहीं मूलभूत सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

राजधानी से लगे सरोना रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करीब 14 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया गया। 17 जुलाई को स्टेशन का उद्घाटन हुआ, लेकिन आठ दिन बाद ही स्टेशन पर निर्माण कार्य और यात्री सुविधाओं की हकीकत सामने आने लगी है। जब शुक्रवार को हरिभूमि की टीम स्टेशन पहुंची, यहां स्टेशन में अभी से सीपेज, दरार, बंद लिफ्ट और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में खामियां मिलीं। स्टेशन परिसर में प्रवेश करते ही टिकट काउंटर की दीवार पर सीपेज दिखाई दिया। नई इमारत में उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद दीवारों पर नमी के निशान निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े करते हैं। प्लेटफॉर्म पर ▶▶।शेष पेज 13 पर

पहली बारिश में ही दिखने लगीं सीपेज और दरारें

स्टेशन भवन की पहली बारिश में ही निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। मुख्य प्रवेश द्वार समेत कई स्थानों पर दीवारों में सीपेज साफ दिखाई दे रहा है। कुछ जगहों पर दरारें भी नजर आने लगी हैं। खास बात यह है कि रेलवे अधिकारियों को सीपेज की समस्या की जानकारी उद्घाटन से पहले ही मिल गई थी। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी की लापरवाही पकड़ी थी। इसके बाद संबंधित स्थानों पर पेंट कर सीपेज और दरारों को ढंकने का प्रयास किया गया, लेकिन अब दोबारा कई जगहों पर सीपेज उभर आया है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लाखों की लागत से बना जन सुविधा शौचालय, अब तक नहीं हुआ शुरू

स्टेशन परिसर में सीएसआर फंड से लाखों रुपये की लागत से जन सुविधा शौचालय का निर्माण कराया गया था, लेकिन उद्घाटन के बाद भी इसे शुरू नहीं किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए बनाई गई यह व्यवस्था अब तक उपयोग में नहीं आ सकी है। वर्तमान में आधुनिक शौचालय पर ताला लगा हुआ है, जिससे यात्रियों को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा। करोड़ों रुपये की लागत से स्टेशन के आधुनिकीकरण के बावजूद यह बुनियादी सुविधा शुरू नहीं हो पाना रेलवे की तैयारियों पर सवाल खड़ा करता है।

लिफ्ट बंद, सीढ़ियां चढ़ने को मजबूर यात्री

यात्रियों की सुविधा के लिए सरोना स्टेशन पर प्लेटफॉर्मों के बीच आवागमन के लिए लिफ्ट लगाई गई है, लेकिन शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे हरिभूमि टीम पहुंची तो लिफ्ट बंद मिली। इसके कारण यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और सामान लेकर सफर करने वालों को फुटओवर ब्रिज की सीढ़ियां चढ़कर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक जाना पड़ा।

जांच कराकर तत्काल ठीक कराएंगे

सरोना स्टेशन में नलों से पानी नहीं आने, लिफ्ट बंद रहने समेत अन्य सुविधाओं के अभाव की जानकारी लेकर जांच की जाएगी। जहां भी खामियां हैं, उन्हें तत्काल ठीक कराया जाएगा।

*-**दयानंद**, डीआरएम, रायपुर रेल मंडल*

नए और पुराने मेडिकल कालेजों को जल्द मिलेंगे एसोसिएट प्रोफेसर

डीपीसी के बाद पदोन्नति सूची जारी होने का इंतजार

- वर्ष 2021 बैच के 64 असिस्टेंट प्रोफेसरों के नाम पर विचार, मिलेगाा प्रमोशन का लाभ
- नए कालेजों में 40 पद पर होगी नियुक्ति, पुराने के 40 पदोन्नत होकर प्रोफेसर बन चुके

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

राज्य में खुलने वाले नए चिकित्सा महाविद्यालयों के साथ पुराने में भी काफी हद तक सह-प्राध्यापकों की कमी आने वाले दिनों में दूर हो जाएगी। विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में प्रमोशन के लिए वर्ष 2021 बैच के करीब 64 डाक्टरों के नामों पर विचार हो चुका है। नए कालेजों में 40 एसोसिएट प्रोफेसरों की जरूरत है, वहीं प्रमोशन के बाद खाली 40 के अलावा पुराने में इस पद के ज्यादा चिकित्सा शिक्षकों की जरूरत है।

नए कालेजों को मान्यता मिलने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग में सालों से एक ही पद पर काम करने वाले डाक्टरों को पदोन्नति का मौका मिल रहा है। कुछ समय पहले मेडिकल कालेज के 40 डाक्टरों को पदोन्नत कर प्राध्यापक बनाया गया था। इसके बाद असिस्टेंट प्रोफेसरों की लंबित परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के आदेश के बाद पदोन्नति के लिए पिछले दिनों विभागीय कमेटी की बैठक हुई थी। सूत्रों अनुसार इस बैठक में वर्ष 2021 बैच के करीब 64 डाक्टरों के नामों पर विचार किया गया है और आने वाले दिनों मे मापदंडों को पूरा करने वालों का प्रमोशन लिस्ट जारी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों 40 एसोसिएट को प्रोफेसर बनाया गया था, जिनके पद अभी खाली हैं। इसके अलावा राज्य में खुलने वाले 4 नए मेडिकल कालेजों में 40 सह प्राध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। ▶▶।शेष पेज 13 पर

इधर सीधी भर्ती में प्रक्रिया का दौर

इधर सीजीपीएससी के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा विभाग में हुई सीधी भर्ती की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। राज्य शासन ने 125 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन निकाला था। इसमें से करीब 70 अभ्यर्थियों को योग्य माना गया है। इन डाक्टरों की विभागवार भर्ती की प्रक्रिया पूरी की जा रही है और योग्य चिकित्सकों के दस्तावेजों की जांच का काम अलग-अलग तिथि में पूरी की जा रही है। इन सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति आवश्यकता के हिसाब से अलग-अलग कालेजों में की जाएगी।

जल्द जारी होगी

पदोन्नति समिति की बैठक में हुए निर्णय के आधार पर सूची शीघ्र जारी की जाएगी।

- रितेश अग्रवाल
आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा

इंतजार में करीब 84 डाक्टर

सूत्रों के अनुसार डीपीसी में वर्ष 2022 में भर्ती होने वाले सहायक प्राध्यापकों के नामों पर विचार नहीं किया गया है। इनकी संख्या 84 के करीब है, दावा किया जा रहा है इन डाक्टरों ने भी अपनी तीस साल की परिवीक्षा अवधि पूरी कर चुके है। अपने पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे इन डाक्टरों का कहना है अगर मापदंडों के अनुरूप सभी सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नति दी जाती है तो तमाम शासकीय मेडिकल कालेजों की कमियों को दूर किया जा सकता है।

महादेव सट्टा एप, दिल्ली का कारोबारी गर्ग जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

■ ईडी ने कारोबारी को 10 दिनों की पुलिस रिमांड लेकर की थी पूछताछ

ऑनलाइन महादेव सट्टा एप की काली कमाई को व्हाइट में कन्वर्ट कर प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल के अकाउंट में ट्रांसफर कराने के आरोपी दिल्ली के कारोबारी विकास गर्ग को पीएमएल कोर्ट में पेश कर 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया। कारोबारी को ईडी ने दिल्ली से गिरफ्तार कर पूछताछ करने 10 दिनों की पुलिस रिमांड हासिल की थी। शुक्रवार को रिमांड खत्म होने पर उसे कोर्ट में पेश किया गया। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में कारोबारी ने ईडी को सामने ऑनलाइन महादेव सट्टा एप के बारे में कई महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। बताया जा रहा है, जांच एजेंसी को कारोबारी द्वारा सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ तथा रवि और उनकी दोनों पत्नियों के दुबई स्थित अकाउंट में रकम ट्रांसफर करने के पक्के सबूत मिले हैं। इसके अलावा सट्टे की काली कमाई को व्हाइट मनी में कनवर्ट करने के ईडी को सबूत ▶▶।शेष पेज 13 पर

पिछले गुरुवार से बरस रहे थे, शुक्रवार को केवल बादल छाए रहे

पश्चिमी विक्षोभ का ब्रेक, अब राज्य में हल्की से मध्यम वर्षा का प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

■ जोरदार बारिश के लिए करना होगा अब नए सिस्टम का इंतजार

पिछले सात दिन से कभी कम तो कभी ज्यादा रूप में बरस रहे बादलों पर पश्चिमी विक्षोभ का ब्रेक लग गया है। अब राज्य के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का असर रहने की संभावना है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य में सर्वाधिक बरसात का आंकड़ा 3 सेमी. तक पहुंचा। जोरदार तरीके से पानी गिरने के लिए अब नए सिस्टम का इंतजार करना होगा। राज्य में अभी स्थिति औसत वर्षा से 18 फीसदी कम है, जो आने वाले दिनों में बढ़ता नजर आएगा। राज्य में मानसून पिछले गुरुवार को सक्रिय हुआ जो शुक्रवार को लगभग कमजोर हो गया। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के दर्जनभर स्थानों पर 3 से 1 सेमी. तक वर्षा दर्ज की गई। शुक्रवार को राजधानी समेत राज्य के ज्यादातर हिस्से में धूप-छांव वाली स्थिति बनी रही। मौसम विशेषज्ञों का कहना है, मानसून धीमे-धीमे कमजोर होने लगा था इस बीच जम्मू-कश्मीर और उसके आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ ने सक्रिय सिस्टम अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाओं को अपनी ओर खींच लिया है। बारिश का असर अब असम और बिहार में हो रहा है। राज्य में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति तो नहीं होगी मगर विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में बारिश का दायरा बेहद सीमित हो जाएगा।

अब दाम होंगे कम, पोल्ट्री में दाम सात रुपए से कम

सावन से पहले अंडों ने खाया भाव, चिल्हर में दाम 8 से 9 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

प्रदेश में सावन से पहले अंडों ने भाव खाया है। पोल्ट्री में जहां दाम 6.95 है, वहीं चिल्हर में इसके दाम अलग-अलग दुकानों पर 8 से 9 रुपए हैं। एक दर्जन लेने पर इसके दाम 8 रुपए लग रहे हैं, तो एक-दो लेने पर 9 रुपए लिए जा रहे हैं। अब इसके दाम लगातार कम होने की संभावना है, क्योंकि इस माह के अंत से सावन का प्रारंभ हो रहा है।

पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक सावन में डिमांड कम होने के कारण कीमत कम हो जाती है, लेकिन इस बार कीमत ज्यादा कम नहीं होगी, क्योंकि उत्पादन लागत में इजाफा हो गया है। छत्तीसगढ़ की गिनती देश के अंडों का ज्यादा उत्पादन करने वाले राज्यों में होती है। अपने प्रदेश में रोज 80 लाख अंडों का उत्पादन होता है। इसमें से 45 से 50 फीसदी अंडे दूसरे राज्यों में जाते हैं, बाकी अंडों की खपत अपने राज्य में होती है। गर्मी के समय में जब खपत कम हो जाती है तब बहुत परेशानी होती है। ऐसे में उत्पादन कम करना पड़ता है। गर्मी के कारण इस बार भी अब तक अंडों का उत्पादन रोज 20 लाख कम हो गया था, लेकिन अब उत्पादन पूरा हो रहा है।

कम होंगे दाम

सावन में अंडों की डिमांड कम हो जाती है। अब दाम कम होंगे। उत्पादन लागत बढ़ने के कारण इस बार अंडों के दाम बढ़े हैं।

*- **धनराज बैनर्जी**, पोल्ट्री फार्म कारोबारी*

उत्पादन लागत बढ़ी

अंडों के दाम बढ़ने के पीछे का एक बड़ा कारण मुर्गी दाना और विटामिन के दाम बढ़ाना बताया जा रहा है। पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक मुर्गियों को जो मक्का और कनकी का दाना दिया जाता है, उसके दाम बढ़ गए हैं। जहां मक्के का दाम 19 रुपए किलो से बढ़कर 26 रुपए किलो हो गया है, वहीं कनकी के दाम 16 रुपए से बढ़कर 23 रुपए हो गए हैं। जो विटामिन पहले 500 से 600 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम डबल होकर 11 से 12 सौ रुपए हो गए हैं। यह विटामिन विदेशों से आता है। युद्ध के कारण इसके दाम बढ़े हैं। ऐसे में उत्पादन लागत बढ़ने के कारण दाम बढ़े हैं।

दाम में भारी इजाफा

आमतौर पर सावन से पहले ही अंडों की कीमत कम हो जाती है, लेकिन पहली बार सावन से पहले दाम बढ़े हैं। जहां पोल्ट्री में इसके दाम 6.95 रुपए हैं, वहीं चिकन की बड़ी दुकानों में इसके दाम 8 रुपए के करीब है, लेकिन किराना दुकानों में इसके दाम चिल्हर में 9 रुपए हैं। एक दर्जन लेने पर 100 रुपए लिए जा रहे हैं। किराना दुकान कारोबारी बताते हैं उनकी दुकान में पहुंचाकर वेंडर 8 रुपए में दे रहे हैं ऐसे में मजबूरी में 9 रुपए में बेचना पड़ रहा है। जो किराना दुकान वाले खुद से चिकन की बड़ी दुकानों से अंडे थोक में लेकर आते हैं, उनकी दुकानों में जरूर 8 रुपए में अंडा मिल जा रहा है। इस बार गर्मी में भी अंडों के दाम 7 से 8 रुपए रहे हैं। अन्यथा गर्मी में इसकी कीमत चार से पांच रुपए हो जाती है।

वेलफेयर सोसाइटी ने पौधे बांटे एवं किया पौधारोपण

कूंरा। वृक्षारोपण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने हेतु वेस्ट टू वेस्ट वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी ने बांटे फलदार पौधे पर्यावरण संरक्षण और हरित छत्तीसगढ़ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए संस्था वेस्ट टू वेस्ट वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी द्वारा आज स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर आम जनता को पर्यावरण के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्था द्वारा निशुल्क फलदार पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन रायपुर बलौदा बाजार रोड दोंदेखुर्द में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन, छात्र, महिलाएं और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। संस्था के संस्थापक मनहरण लाल वर्मा ने बताया कि इस बार विशेष रूप से आम, अमरूद, नींबू, जामुन, सीताफल और सहजन जैसे फलदार पौधों का वितरण किया गया। इसका उद्देश्य है कि एक ओर पर्यावरण का संरक्षण हो और दूसरी ओर लोगों को घर पर ही शुद्ध फल भी उपलब्ध हो सकें। संस्था के अध्यक्ष भानु राम वर्मा ने कहा जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के दौर में हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। पेड़ लगाना ही नहीं, उसकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। वेस्ट टू वेस्ट वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी आगे भी स्कूल, कॉलेज और गांव-गांव में ऐसे अभियान चलाती रहेगी कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पौधे प्राप्त कर उन्हें अपने घर, खेत और सार्वजनिक स्थानों पर लगाने का संकल्प लिया। संस्था द्वारा पौधों की देखभाल के लिए लोगों को आवश्यक जानकारी भी दी गई।

पौधा लगाना ही नहीं, उसे पेड़ बनाना भी है हमारी जिम्मेदारी

जिपं सभापति शैल महेंद्र साहू ग्राम सिलपट्टी के पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल हुईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलपट्टी में जिला पंचायत सभापति शैल महेंद्र साहू की विशेष उपस्थिति में शुक्रवार को सघन पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम के मिडिल स्कूल परिसर में सरपंच लोकेश कश्यप, उपसरपंच ज्योति ढालेंद्र यादव, पंचगण एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर नीम, पीपल और विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर पंच मनहरण साहू, ऐवन मिरी, गणेश वर्मा, संतोषी वर्मा, शिक्षक बलराम यादव, आरती देवांगन, दुर्गा वर्मा, रानी वर्मा, खुमान दास मानिकपुरी सहित गांव के वरिष्ठ नागरिकों ने भी एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में

विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। इस मौके पर जिला पंचायत सभापति शैल महेंद्र साहू ने कहा कि /"पौधारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। नीम, पीपल और फलदार पौधे हमारे पर्यावरण, स्वास्थ्य और जीवन के लिए अमूल्य हैं। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, उनकी देखभाल करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसे पेड़ बनने तक संरक्षित रखे, तो हमारा गांव, क्षेत्र और पूरा प्रदेश हराभरा बन सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के संस्कार विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम के अंत में शैल महेंद्र साहू ने पौधारोपण अभियान में सहयोग करने वाले ग्राम पंचायत, विद्यालय परिवार, जनप्रतिनिधियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं एवं सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की।

खबर संक्षेप

नागवानी और रमेश को भाजपा में मिली नई जिम्मेदारी

तिल्दा नेवरा। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में जिला स्तर पर नई नियुक्तियां की हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्याम नारंग ने तिल्दा-नेवरा के वरिष्ठ युवा नेता एवं पूर्व शहर अध्यक्ष लक्ष्मीचंद नागवानी को नगर पालिका निकाय प्रकोष्ठ का जिला सह संयोजक तथा भाजपा के पूर्व महामंत्री रमेश अग्रवाल को व्यवसायिक प्रकोष्ठ का जिला सह संयोजक नियुक्त किया है। दोनों नेताओं की नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से पार्टी को जिले में और मजबूती मिलेगी तथा संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देने वालों में भाजपा जिला मंत्री विकास कोटवानी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, पार्षद ईश्वर यदु, विनोद नेम, राकेश कमलानी, सोनू पंजवानी, आरती गिलहरी, अनिल नायक सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

छात्राओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी

कूंरा। भारत विकास परिषद्, संकल्प शाखा, रायपुर की किशोरी प्रमुख, श्रीमती वालिका साहू द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला, ग्राम तुलसी, रायपुर की किशोरियों को अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही करने की जानकारी दी गई एवं सुरक्षा हेतु आवश्यक संपर्क भी उपलब्ध करवाए गए। इसके अतिरिक्त स्वयं के संपूर्ण विकास हेतु शिक्षा की महत्वता, शारीरिक विकास के विषय में भी प्रकाश डाला गया, मोबाइल का सीमित एवं सही उपयोग करने की भी प्रेरणा दी गई। परिषद् की किशोरी सह प्रमुख, श्रीमती स्नेहलता बघेल एवं श्रीमती नीमा गुप्ता ने भी अपना सहयोग दिया। इसके उपरान्त भारत विकास परिषद् द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला, आमा सिवनी में भी वृक्षारोपण किया गया जिसमें परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, प्रांतीय पर्यावरण प्रमुख टेक राम वर्मा, संकल्प शाखा के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, पर्यावरण प्रमुख यशेन्द्र गुप्ता, परिषद् की अनेकों महिला कार्यकर्ता एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य समारू राम बंजारे, श्रीमती संगीता वर्मा एवं श्रीमती भारती वर्मा ने भी योगदान दिया।

किरना की छात्राओं को मिली सायकिल

सिलयारी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, ग्राम किरना में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण एवं सरस्वती साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिलें वितरित की गईं तथा विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य शैल महेंद्र साहू ,विद्यालय के प्राचार्य आई.पी. वर्मा, आरिफ सर, जनार्दन वर्मा, सरपंच गोपाल वर्मा, उपसरपंच, पूर्व जनपद सदस्य डॉ. चिमन साहू, कान्हा साहू, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों द्वारा पौधों की देखभाल का संकल्प लेने के साथ हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण सिंह देव पूजा-अर्चना करके कार्यक्रम का किया शुभारंभ

जगदलपुर के गोंचा महापर्व में अनुज के भजनों ने श्रोताओं को किया मंत्र-मुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

बस्तर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और 600 वर्षों से अधिक प्राचीन 'गोंचा महापर्व' के पावन अवसर पर जगदलपुर का श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर भक्ति और सुरीली तानों से सराबोर हो उठा। महापर्व के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण लोकप्रिय कलाकार पद्मश्री अनुज शर्मा की विशेष प्रस्तुति रही। उनकी ओजस्वी और सुमधुर आवाज में प्रस्तुत भजनों ने पूरे माहौल को दिव्य बना दिया, जिसे सुनकर परिसर में मौजूद हजारों श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए।

■ भजन सुनकर श्रोता हुए मंत्र-मुग्ध

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक किरण सिंह देव द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी की विशेष आरती और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके तुरंत बाद पद्मश्री अनुज शर्मा ने जैसे ही मंच संभाला,

पूरा मंदिर परिसर भगवान जगन्नाथ के जयकारों से गूंज उठा। अनुज शर्मा ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दीं। उनके भजनों की स्वर लहरी पर श्रद्धालु अपनी सुध-बुध भूलकर भक्ति रस में डूब गए। मंच से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए अनुज शर्मा ने बस्तर की जनता के प्रति अपना आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की यह पवित्र भूमि केवल प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि कला, संस्कृति और अटूट आस्था का अद्भुत संगम है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि 600 वर्षों की महान और गौरवशाली परंपरा वाले गोंचा महापर्व में भगवान श्री जगन्नाथ जी के श्रीचरणों में भजन अर्पित करना उनके जीवन का बड़ा सौभाग्य है। इससे उन्हें असीम आत्मिक शांति मिली है। उन्होंने आयोजन में मिले अपार जनस्नेह और सम्मान के लिए विधायक किरण सिंह देव तथा बस्तर की जनता का सहृदय धन्यवाद किया। समारोह के मुख्य अतिथि किरण सिंह देव ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गोंचा महापर्व बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, सामूहिक एकता और हमारी विशिष्ट पहचान का मूलाधार है। उन्होंने सदियों पुरानी इस परंपरा को सहेजने के लिए युवाओं के उत्साह की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने अनुज शर्मा की कला और भक्ति भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके भजनों ने गोंचा महापर्व की दिव्यता और गरिमा को कई गुना बढ़ा दिया है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजन समिति एवं 360 घर अरण्य ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने मंच पर पद्मश्री अनुज शर्मा को विशेष स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय सम्मान किया। इस ऐतिहासिक सांस्कृतिक संध्या में बस्तर के हजारों नागरिकों ने उपस्थित होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और अनुज शर्मा की संगीतमय प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया।

ओम हॉस्पिटल तिल्दा में शुरू हुई सीटी स्कैन मशीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा

क्षेत्र के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। बहेसर रोड़ तिल्दा स्थित ओम हॉस्पिटल में अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन ओम हॉस्पिटल ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. विजय अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सक, स्टाफ और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

100 बिस्तरों की सुविधा वाले ओम हॉस्पिटल में शुरू हुई सीटी स्कैन मशीन का लाभ अस्पताल में ही तिल्दा और आसपास के क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। अब तिल्दा, खरोरा, सिमगा, नेवरा, पलारी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को सीटी स्कैन जांच के लिए रायपुर नहीं जाना पड़ेगा। उद्घाटन के अवसर पर डॉ. विजय अग्रवाल ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य लोगों को उनके क्षेत्र में ही आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। सीटी स्कैन मशीन शुरू होने से दुर्घटना, ब्रेन स्ट्रोक, सिर की चोट, फेफड़ों, पेट और अन्य गंभीर बीमारियों की जांच तेजी और सटीकता से हो सकेगी। इससे मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेगा। वहीं आपातकालीन स्थिति में तत्काल उपचार शुरू करने में भी मदद मिलेगी। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस इस सुविधा के शुरू होने से तिल्दा क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।

ब्लॉक स्तरीय बालक कबड्डी चयन स्पर्धा हुई

आरंग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरिया में विकासखंड स्तरीय शालेय बालक कबड्डी चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों का चयन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत सेमरिया की सरपंच कुमारी बाई साहू ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि श्रीमती साहू ने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और नियमों का पालन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। पूर्व ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी नीलमणि आरंग ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य सुनील आवड़े ने की। उन्होंने खिलाड़ियों एवं व्यायाम शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण बेहतर खेल कौशल और अनुशासन है। मंच संचालन व्यायाम शिक्षक भोजराम मनहरे ने किया तथा आभार प्रदर्शन व्यायाम शिक्षक फगूलाल साहू ने किया। इस अवसर पर उपसरपंच अश्वनी साहू, पंच मोहन साहू, दानेश्वर सिंहा, गजानन दीवान, डॉ. रामशरण साहू, नीलमणि चंद्राकर, ब्लॉक क्रीड़ाधिकारी राकेश प्रधान, अमित चंद्राकर, ओंकेश्वर सोनवानी सहित ब्लॉक के व्यायाम शिक्षक, विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता दीपक देवांगन, दिलीप साहू, माऊ घोष, विजय हालदार, रूपेश देवांगन, डगेश्वर चक्रधारी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गुरु खुशवंत ने एजुकेशनल एकेडमी का किया शुभारंभ

आरंग। क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में निर्मल एजुकेशनल सोसायटी के अंतर्गत नींव एजुकेशनल एकेडमी का शुभारंभ सोमवार को आरंग विधानसभा क्षेत्र के नारा (भानसोज) में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब थे। समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, अभिभावकों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर एकेडमी का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि निर्मल एजुकेशनल सोसाइटी कई दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान आने वाले समय में आरंग क्षेत्र में उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। नए संस्थान से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर महेश साहू जनपद सदस्य, मीना जांगड़े सरपंच, नारा, गोपाल वर्मा भाजपा मंडल अध्यक्ष, रमेश तिवारी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, आरंग, भूपेंद्र शर्मा संयोजक, किसान संघर्ष समिति, राकेश चंद्राकर पूर्व अध्यक्ष, भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सशिमं के प्रवेशोत्सव में छात्रों का तिलक वंदन करके किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल, आरंग में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भैया-बहनों को टॉफ़ी वितरण, तिलक-वंदन एवं स्वागत के साथ किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष चर्म शिल्पकार बोर्ड एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त ध्रुव कुमार मिर्धा, अति विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, विशिष्ट अतिथि गोविंद देवांगन (अभिभावक), एल्डरमैन आनंद मूर्ति अग्रवाल, पार्षद नरेंद्र लोधी, विद्यालय के अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू, व्यवस्थापक राजेश साहू एवं सदस्य कमलनारायण देवांगन ने माँ सरस्वती, ॐ एवं भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना हुई तथा अतिथियों का श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं तिलक-वंदन कर स्वागत किया गया। स्वागत के बाद भैया-बहनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति की

झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में पार्षद नरेंद्र लोधी, वीरेंद्र कंडरा, पार्षद प्रतिनिधि विक्रम परमार, पार्षद संतोष लोधी, खिलेश धुरंधर, तोषण साहू, पार्षद उमाकांत यादव, एल्डरमैन आनंद मूर्ति अग्रवाल, शंकर जलक्षत्री, प्रबंधकारिणी सदस्य, अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, व्यवस्थापक राजेश साहू, सह सचिव तेजराम जलक्षत्री, कार्यकारिणी सदस्य कौशल चंद्राकर, कमलनारायण देवांगन, सुरेंद्र नशीने, कृष्ण कुमार भारद्वाज, पंकज शुक्ला, संतोष कुमार सोनी, सूरज लोधी, सूरज साहू सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ध्रुव कुमार मिर्धा ने शाला प्रवेश उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि यहाँ की शिक्षा एवं संस्कार अन्य विद्यालयों की अपेक्षा उत्कृष्ट हैं। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने कहा कि शिशु मंदिर में पढ़ाई के साथ संस्कार भी दिए जाते हैं, जिससे यहाँ के भैया-बहन आगे चलकर समाज एवं देश का नाम गौरवान्वित करते हैं। कार्यक्रम का प्रतिवेदन डॉक्टर हेडगेवार बाल कल्याण समिति, आरंग के अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू ने प्रस्तुत किया। समापन से पूर्व राजकीय गीत /"अरपा पैरी के धार/" का गायन किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन विद्यालय के व्यवस्थापक राजेश साहू ने किया, जबकि मंच संचालन सुषमा तिवारी एवं नितेश्वरी लोधी दीदी ने किया।

शिक्षकों छात्रों को दायित्व बोध की प्रेरणा और शुभकामनाएं दी

राधा कृष्ण विद्यालय में बांटे बैज और छात्र प्रतिनिधियों ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

स्थानीय राधा कृष्ण विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आरंग में विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, दायित्वबोध एवं अनुशासन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से बैज वितरण एवं पदभार ग्रहण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या निशा श्रीवास्तव एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा नव-नियुक्त छात्र-प्रतिनिधियों को उनके पद एवं कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। समारोह के दौरान विद्यालय के मेधावी एवं सक्रिय विद्यार्थियों को उनकी योग्यता व रुचि के अनुसार विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रमुख भैया (कक्षा 12वीं) के रूप में उमाशंकर यादव, प्रमुख बहन के रूप में शिवानी तंबोली, सांस्कृतिक प्रभारी छाया साहनी एवं तोषीता लोधी, खेल प्रभारी मनीष लोधी एवं ईशु पाल, स्काउट एवं गाइड प्रभारी मयंक साहू एवं यादेश लोधी, रेड क्रॉस प्रभारी चंदन यादव एवं लक्की यादव तथा खोया-पाया विभाग प्रभारी आलिया घृतलहरे एवं जासमीन साहू को दायित्व सौंपा गया। समारोह के अगले चरण में नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को शिक्षकों द्वारा बैज लगाकर उनकी कक्षाओं की कमान सौंपी गई। अंग्रेजी माध्यम में के.जी.-1 के हिमांशु पटेल, के.जी.-2 की पूर्वी यादव, कक्षा 1ली की पूर्वी पाल, कक्षा 2री की चांदनी पाल, कक्षा 3री की डाली लोधी, कक्षा 4थी के आयुष चतुर्वेदी, कक्षा 5वीं की रूही यादव तथा कक्षा 6वीं की प्रतीक्षा पाल को

प्रतिनिधि बनाया गया। वहीं हिंदी माध्यम में के.जी.-1 की आकांक्षा जलक्षत्री, के.जी.-2 की लीतिका साहू, कक्षा 1ली की गुंजन सोनवानी, कक्षा 2री की पूजा देवांगन, कक्षा 3री के चैतन्य निषाद, कक्षा 4थी की दीक्षा पटेल, कक्षा 5वीं की सुषमा यादव, कक्षा 6वीं के हर्ष साहू, कक्षा 7वीं की आरिफा फरहीन एवं डिंपी बांसवार, कक्षा 8वीं की ममता निषाद, कक्षा 9वीं की इशिका सोनी, कक्षा 10वीं की जया लोधी, कक्षा 11वीं की ज्योति कोसले तथा कक्षा 12वीं की चंचल साहू को जिम्मेदारी प्रदान की गई। समारोह के समापन पर विद्यालय की प्राचार्या निशा श्रीवास्तव ने सभी नव-नियुक्त छात्र-प्रतिनिधियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नेतृत्व का अवसर मिलना केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे दायित्व विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सहयोग तथा संस्था के प्रति निष्ठा की भावना को सुदृढ़ करते हैं। विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी सभी छात्र-छात्राओं को उनके नए उत्तरदायित्वों की जानकारी देते हुए पूरे समर्पण एवं ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील सारागांव जिला-रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भागचंद सेवक पिता स्व. रूपचंद सेवक निवासी ग्राम सिलियारी तहसील धरसींवा जिला-रायपुर (छ.ग.) के आवेदन अनुसार ग्राम सिलियारी प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. रायपुर-20 सिलियारी- कुरूद तहसील धरसींवा में भूमि ख.नं. 444/1 रकबा 0.4530 हे. भूमि आवेदक एवं अनावेदकगण के पिता रूपचंद वल्द सुदन के भूमिस्वामी हक में दर्ज है। आवेदक एवं अनावेदकगण के पिता रूपचंद वल्द सुदन की मृत्यु दिनांक 18/04/2026 को हो जाना लेख कर मृतक रूपचंद वल्द सुदन का नाम याद भूमि के राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर विधिक एवं वैधानिक उत्तराधिकारियों आवेदक एवं अनावेदकगण का नाम दर्ज किये जाने आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में नियत दिनांक 10/08/2026 को उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/07/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार,
उप तहसील सारागांव,
जिला-रायपुर (छ.ग.)

सीएम साय ने कर्नाटक के सत्य साईं ग्राम सेवा मॉडल को बताया जनकल्याण का प्रेरक उदाहरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को कर्नाटक के सत्य साईं ग्राम, मुद्देनहल्ली का दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित समग्र सेवा मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक सद्गुरु मधुसूदन साईं से भेंट कर छत्तीसगढ़ में जनकल्याणकारी सेवाओं के विस्तार, विशेष रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और मूल्य आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का आधार केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित समाज है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को सुशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखते हुए अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं के अनुभव, नवाचार और सेवा भावना से जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, रायपुर द्वारा पूर्णतः निःशुल्क बाल हृदय शल्य चिकित्सा (पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी) के माध्यम से हजारों बच्चों को नया जीवन देने के कार्य की मुख्यमंत्री ने विशेष सराहना की। उन्होंने इसे मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए अस्पताल के विस्तार, मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल की स्थापना तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की।

शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर हुई सार्थक चर्चा

छत्तीसगढ़ में सेवाओं के विस्तार पर दिया जोर

25 देशों से आए शिक्षाविद

मुख्यमंत्री श्री साय मूल्य आधारित शिक्षा पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में विश्व के लगभग 25 देशों से आए 100 से अधिक शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, सेवा, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी आधार होनी चाहिए। मूल्य आधारित शिक्षा ही संवेदनशील नागरिकों और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है।

न्यूट्रास्यूटिकल्स इकाई का भी अवलोकन

मुख्यमंत्री ने श्री सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट द्वारा संचालित साईश्योर न्यूट्रास्यूटिकल्स इकाई का भी अवलोकन किया। साईश्योर मल्टी-न्यूट्रिएंट हेल्थ मिक्स के माध्यम से देश के 25 राज्यों एवं 4 केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग एक करोड़ बच्चों तक पोषण सहायता पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में ऐसे नवाचारों के माध्यम से बच्चों के पोषण स्तर को और बेहतर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ के लगभग 300 युवाओं को यहां नर्सिंग शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ सेवा भाव से प्रेरित दक्ष स्वास्थ्य मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार और वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के बीच सहयोग से स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित होंगी तथा समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का दायरा और अधिक व्यापक होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सभी प्रयासों का स्वागत करती है, जो सेवा, संवेदना और सुशासन के माध्यम से जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं।

खबर संक्षेप

स्काउट-गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त ने की समीक्षा

रायपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा की अध्यक्षता में जिला संगठन आयुक्तों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। राज्य मुख्य आयुक्त श्री खालसा ने सभी विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान राष्ट्रगीत का अनिवार्य रूप से गायन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संगठन के अंशदान की राशि 31 अगस्त तक अनिवार्य रूप से जमा कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में दल संचालन के लिए कम से कम एक बेसिक स्काउट मास्टर एवं एक गाइड कैप्टन प्रशिक्षित होना आवश्यक है। साथ ही राज्य स्तर पर प्रत्येक जिले का भ्रमण कर स्काउट-गाइड गतिविधियों की समीक्षा किए जाने की जानकारी भी दी। उन्होंने ओवायएमएस पंजीयन कार्य को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक जिले में कार्यशाला आयोजित करने तथा प्रत्येक विकासखंड में एक-एक समन्वयक नियुक्त करने के निर्देश दिए।

अजा-जजा विद्यार्थी उत्कृष्ट योजना की काउंसिलिंग निरस्त

रायपुर। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए जिला स्तर पर 14 जुलाई 2026 को आयोजित काउंसिलिंग को निरस्त कर दिया गया है। काउंसिलिंग के चयनित विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को सूचित किया जाता है कि शासन से आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त होने के उपरांत काउंसिलिंग की जानकारी दी जाएगी।

प्रोजेक्ट धड़कन, बच्चों की हुई निशुल्क हृदय जांच

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए संचालित "प्रोजेक्ट धड़कन" के अंतर्गत जिले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से अभनपुर टीम बी द्वारा शासकीय हाई स्कूल कोलार में 131 बच्चों, आरंग टीम बी द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला बोहारडीह में 48 बच्चों, धरसींवा टीम बी द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला धरमपुरा में 126 बच्चों, तिल्दा टीम बी द्वारा हाई स्कूल भुमिया में 336 बच्चों, अर्बन टीम ए द्वारा पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, रायपुर में 250 बच्चों, अर्बन टीम बी द्वारा बिन्नी बाई सोनकर, भाठागांव में 294 बच्चों तथा अर्बन टीम डी द्वारा हाई स्कूल तिलकनगर, गुढ़ियारी में 206 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

जलजीवन मिशन

गुणवत्ता निगरानी कमजोर, तीन साल तक थर्ड पार्टी जांच नहीं हुई

सीएजी की रिपोर्ट में खुलासा, बिना काम पांच जिलों में खर्च कर दिए दो करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई तृतीय-पक्ष निरीक्षण (थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन) व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो सकी।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की निष्पादन लेखापरीक्षा में सामने आया है कि मिशन के शुरुआती वर्षों (2019-21) में कई कार्य बिना किसी तृतीय-पक्ष निरीक्षण एजेंसी की नियुक्ति के ही कराए गए। बाद में एजेंसियां सूचीबद्ध होने के बावजूद उनके कार्यों की समुचित निगरानी नहीं हुई और यह भी सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता एवं मात्रा का स्वतंत्र परीक्षण वास्तव में हुआ या नहीं।

जिलों ने नहीं बनाई कार्ययोजना

सीएजी ने नमूना जांच किए गए चार जिलों में पाया कि जिन गांवों के लिए तृतीय-पक्ष निरीक्षण एजेंसियां नियुक्त की गई थीं, वहां पूरे योजना चक्र के लिए चरणवार आउटपुट कार्ययोजना तैयार ही नहीं की गई। रिपोर्ट के अनुसार, इससे स्पष्ट होता है कि जिला जल एवं स्वच्छता मिशनों ने एजेंसियों के कार्यों की प्रभावी निगरानी नहीं की।

दो साल तक बिना थर्ड पार्टी जांच चलता रहा काम

लेखापरीक्षा में पाया गया कि राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन ने नवंबर 2021 में 13 तृतीय-पक्ष निरीक्षण एजेंसियों को सूचीबद्ध किया। हालांकि, वर्ष 2019 से 2021 के दौरान जल जीवन मिशन के कार्य इन एजेंसियों की नियुक्ति के बिना ही कराए गए। यानी मिशन के प्रारंभिक चरण में गुणवत्ता के स्वतंत्र परीक्षण की व्यवस्था ही मौजूद नहीं थी।

सिर्फ बिल के समय दी गई रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार, निरीक्षण एजेंसियां मुख्यतः तब परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत कर रही थीं, जब सिविल ठेकेदार भुगतान के लिए देयक जमा कर रहे थे। लेकिन निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच, उपयोग की गई सामग्री के परीक्षण, सुरक्षा उपायों की नमूना जांच और अन्य निरीक्षण संबंधी अभिलेख जिला जल एवं स्वच्छता मिशनों द्वारा लेखापरीक्षा को उपलब्ध नहीं कराए गए। ऐसे में सीएजी यह सत्यापित नहीं कर सका कि निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता और मात्रा का स्वतंत्र परीक्षण वास्तव में किया गया था या नहीं।

दो करोड़ रुपये खर्च फिर भी उद्देश्य अधूरा

सीएजी ने पाया कि पांच चयनित जिलों ने तृतीय-पक्ष निरीक्षण एजेंसियों को भुगतान के रूप में लगभग दो करोड़ रुपये खर्च किए। इसके बावजूद विभिन्न चरणों में कार्यों की गुणवत्ता और मात्रा सुनिश्चित करने का मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो सका। रिपोर्ट में इसे निगरानी तंत्र की गंभीर कमजोरी माना गया है। सरकार ने कहा—जिलों से जानकारी जुटाई जा रही है। इस संबंध में पूछे जाने पर राज्य सरकार ने मई 2025 में सीएजी को बताया कि संबंधित जिलों से जानकारी एकत्र की जा रही है। हालांकि, रिपोर्ट में इस उत्तर के साथ गुणवत्ता निगरानी में पाई गई कमियों को दर्ज रखा गया है।

निरीक्षण एजेंसियों की भूमिका रही कागजों तक सीमित

सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, जल जीवन मिशन के परिचालन दिशानिर्देशों में तृतीय-पक्ष निरीक्षण एजेंसियों को कार्यों और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की नमूना जांच, बिलों के अनुरूप कार्य की मात्रा एवं गुणवत्ता का सत्यापन, भुगतान संबंधी अनुशंसा तथा ग्राम स्तर पर निर्मित बुनियादी ढांचे के कार्यशील होने की स्वतंत्र जांच जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन एजेंसियों का उद्देश्य निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर स्वतंत्र निगरानी रखना था।

नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का धरना, प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण द्वारा नीट पेपर लीक मामले को लेकर रायपुर ग्रामीण के सभी 11 ब्लॉकों में छात्रों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस ने मांग की, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा दें।

साथ ही नीट पेपर लीक मामले पर संसद में विस्तृत चर्चा कराई जाए, पूरे मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच हो तथा दोषियों को कठोर सजा दी जाए। धरने के दौरान नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दर्ज एफआईआर को बिना शर्त तत्काल वापस लेने की भी मांग की गई। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व धरसीवां में आशीष वर्मा, बिरगांव में योगेंद्र सोलंकी एवं महापौर नंदलाल देवांगन, तिल्दा में शैलेश नितिन त्रिवेदी, अजितेश शर्मा एवं बलदाऊ साहू, नयापारा में रामा यादव, अभनपुर में विद्याभूषण सोनवानी, नयापारा ग्रामीण में गिरधारी साहू, खरोरा में अश्वनी वर्मा, आरंग में खिलावन निषाद एवं कोमल साहू, तथा चंदखुरी में ओमप्रकाश यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

हर घर तिरंगा अभियान की केंद्रीय समिति में रूपकुमारी और अनुराग शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा अभियान के संचालन एवं समन्वय के लिए केंद्रीय स्तर पर समिति का गठन किया है। समिति में महासमुंद सांसद एवं भाजपा छत्तीसगढ़ की प्रदेश उपाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी तथा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव को शामिल किया गया है।

केंद्रीय समन्वय समिति का संयोजक राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह को बनाया गया है। समिति में पूर्व हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतपाल सत्ती, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अनिल एंटनी, सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, सांसद राजकुमार चाहर, सांसद रूपकुमारी चौधरी, पूर्व विधायक अनंत ओझा तथा अनुराग सिंह देव शामिल है। 11 से 15 अगस्त 2026 तक देशभर में हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत घर-घर तिरंगा फहराने, तिरंगा यात्राएं निकालने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम होंगे। समिति अभियान के समन्वय, क्रियान्वयन एवं निगरानी की जिम्मेदारी निभाएगी।

खेती-किसानी में व्यस्त किसान पंजीयन के लिए हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाजपा सरकार किसानों के लिए लगातार कई अड़चनें पैदा कर धान खरीदना नहीं चाहती, इसलिए कई प्रकार की बाधाएं उत्पन कर रही है। जैसे खाद, बीज, बिजली, एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन, गिरदावरी, अनावरी के नाम पर किसानों को हतोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। अभी फिर शामिलात खातेदारों यानी खाते में शामिल सभी किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने 31 जुलाई अंतिम तिथि घोषित की है, जबकि किसान अभी खेती-किसानी में व्यस्त हैं। ऐसे समय में 31 जुलाई तक अंतिम तिथि घोषित कर किसानों को आफत में डाला जा रहा है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने इसे तुगलकी फरमान बताते हुए किसान विरोधी एवं सरकार का धान खरीदी में रोड़ा अटकाने वाला फरमान कहा। उन्होंने बताया कि जब खाते में लम्बरदार बड़ा होता है, पंजीयन, गिरदावरी, अनावरी रिपोर्ट सभी समितियों में धान बेचने में लम्बरदार मुखिया के ही नाम से होता रहा है, लेकिन फिर किसानों का परेशान करने वाला निर्णय लिया गया है। सरकार से मांग की है कि जब तक एग्रीस्टेक पोर्टल में सभी खाताधारकों का पंजीयन नहीं हो जाता, तब तक इसे जारी रहना चाहिए, इसमें अंतिम तिथि घोषित करना तुगलकी फरमान है।

कश्यप बोले- भूपेश बघेल की धमकी भरी भाषा हताशा और राजनीतिक बौखलाहट का प्रमाण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सोशल मीडिया पर पुलिस अधिकारियों एवं भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों को लेकर दिए गए कथनों की कड़ी निंदा करते हुए कहा, यह भाषा किसी जिम्मेदार जनप्रतिनिधि की नहीं, बल्कि राजनीतिक हताशा और मानसिक असंतुलन की स्थिति को दर्शाती है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन कानून के रक्षकों और संवैधानिक व्यवस्था को खुलेआम धमकाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। श्री कश्यप ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री का यह कहना कि पुलिस अधिकारी ध्यान रखें, भाजपा कुछ ही महीनों की मेहमान है फिर मिलेंगे न केवल पुलिस प्रशासन को डराने का प्रयास है, बल्कि यह कानून व्यवस्था को प्रभावित करने की खुली कोशिश भी है। यह बयान लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और कांग्रेस की उस मानसिकता को उजागर करता है, जिसमें सत्ता को ही कानून से ऊपर माना जाता रहा है। श्री कश्यप ने कहा, छत्तीसगढ़ अब भय, दबाव और राजनीतिक संरक्षण की संस्कृति से बाहर निकल चुका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है, जहां पुलिस पूरी निष्पक्षता के साथ अपना दायित्व निभा रही है।

किरण देव ने कहा - विपक्ष का भारत विरोधी एजेंडा बेनकाब

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई ऐतिहासिक पहल एवं कड़े कदमों की घोषणा, सोनम वांगचुक द्वारा अनशन समाप्त किए जाने को लेकर कहा, इन घटनाक्रमों ने विपक्ष के असली राजनीतिक चरित्र और उनके भारत विरोधी एजेंडे की पूरी तरह पोल खोल दी है। श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए त्वरित और अभूतपूर्व कदम उठाने की घोषणा की है। श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा न केवल त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन के निर्देश दिए हैं, बल्कि दोषियों को 5 से 10 साल की कड़ी सजा, कठोर जमानत शर्तों और दोषी पाए जाने पर संबंधित कोचिंग संस्थानों को बंद करने जैसे कठोर प्रावधानों वाले कानून का मसौदा तैयार करवाया जा रहा है। सरकार की इस त्वरित संवेदनशीलता और पारदर्शी नीयत के बाद केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने भी सरकार के सकारात्मक रुख पर भरोसा जताते हुए अपना अनशन समाप्त कर दिया। श्री देव ने कहा, यह पूरी घटना यह दर्शाती है कि मोदी-सरकार देश के छात्रों और युवाओं के हित में चट्टान की तरह खड़ी है।

आंबेडकर अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं के विस्तार की योजना ठंडे बस्ते में

आईवीएफ सेंटर बनाने 10, कैंसर विभाग में रोबोटिक सिस्टम के लिए 21 करोड़ मंजूर, काम निविदाओं में फंसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

निसंतान दंपति के इलाज और रोबोटिक प्रक्रिया से ज्यादा सुरक्षित ढंग से ऑपरेशन के लिए कैंसर विभाग में रोबोटिक सिस्टम की योजना अभी भी ठंडे बस्ते में है। निराश करने वाली बात यह है कि वर्ष 2025 में आईवीएफ सेंटर के लिए 10 करोड़ और जनवरी 2026 में रोबोटिक सिस्टम के लिए 21 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जा चुके हैं, मगर पेंच टेंडरों में फंसा हुआ है।

आंबेडकर अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग ने जरूरतों को महसूस करते हुए सरकारी अस्पताल में आईवीएफ सेंटर खोलने का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। पुरानी योजना को पिछले साल मंजूरी दी गई थी और निजी अस्पतालों में लाखों खर्च करने वाले मरीजों को राहत देने के लिए आंबेडकर अस्पताल में यह सेंटर बनाने की योजना को मंजूरी दी गई थी। इसके लिए वर्ष 2025 के अक्टूबर माह में 10 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी दी गई थी। कुछ ऐसी ही योजना कैंसर विभाग में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के सुविधा के विस्तार के लिए बनाई गई थी। इसमें रोबोट की मदद से ऑपरेशन करने की योजना को पूर्ण करने के लिए 21 करोड़ से ज्यादा राशि को मंजूरी दी गई थी। मामला इनसे संबंधित कार्यों को पूरा करने तक पहुंचा और इसके टेंडर की प्रक्रिया में उलझकर रह गया। वर्तमान में आईवीएफ की सुविधा राज्य के किसी भी सरकारी अस्पताल में नहीं है, वहीं रोबोट की मदद से ऑपरेशन की प्रक्रिया एम्स के माध्यम से पूरी हो रही है। आंबेडकर अस्पताल में संतान सुख की आस में आने वाले मरीज निराश हैं और कैंसर के मरीजों का ऑपरेशन पुरानी पद्धति से ही हो रहा है।

- निसंतान दंपति का इलाज करने 2025 और रोबोट से सर्जरी करने 2026 की योजना

सात बेड के इंटीग्रेटेड हास्पिटल का पता नहीं

ओवरलोड हो रहे आंबेडकर अस्पताल के मरीजों को सुविधा देने बनाया जाने वाला सात सौ बेड का इंटीग्रेटेड हास्पिटल अभी भी कागजों से बाहर नहीं निकल पाया है। निराश करने वाली बात यह है कि 231 करोड़ की इस योजना के लिए सीजीएमएससी डेढ़ साल में निर्माण एजेंसी तय करने टेंडर भी पूरा नहीं कर पाई है। पेचीदगी और अन्य नियमों की वजह से उसका दो प्रयास फेल हो चुका है। योजना के मुताबिक यहां 6 मंजिला सुविधायुक्त हास्पिटल तैयार करना है और योजना की इतनी धीमी चाल से इसके पूरा होने में सालों लगने की संभावना है। इंटीग्रेटेड भवन बनाने के पहले चिन्हित स्थान पर खड़े हास्टल के खंडहर को गिराना होगा और उससे निकलने वाले मलबे को हटाना बड़ा और चुनौती भरा काम है। योजना से संबंधित काम पूरा करने की सुस्ती के कारण भवन तैयार होने में कई साल लगने की संभावना है। तब तक आंबेडकर अस्पताल के कई विभाग में आने वाले मरीजों को बेड शेयर कर अपना इलाज कराना होगा। ओवरलोड मरीजों की समस्या सबसे ज्यादा अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, मेडिसिन और सर्जरी जैसे विभागों में है।

दूसरे अस्पतालों के मरीज भी निर्भर

आंबेडकर अस्पताल में नियमित रूप से डेढ़ से दो हजार मरीज पहुंचते हैं। इसके अलावा यहां इमरजेंसी में सीधे और गंभीर अवस्था दूसरे अस्पताल के साथ राज्य के अन्य जिलों से भी मरीज रेफर किए जाते हैं। सात सौ के सेटअप वाले इस अस्पताल में मरीजों के बेड की संख्या अब 13 सौ के करीब हो चुकी है। हास्पिटल में हमेशा औसतन नौ सौ से हजार मरीज इलाज के लिए भर्ती रहते हैं। नए भवन बनने के बाद वार्डों की क्षमता बढ़ जाएगी और ज्यादा से ज्यादा मरीजों का यहां इलाज किया जा सकेगा।

खबर संक्षेप

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के चुनाव की मांग

रायपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के निर्वाचन की मांग को लेकर सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सभा के संरक्षण एवं वरिष्ठ समाजसेवी टीडी त्रिपाठी से उनके कार्यालय में भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सभा की वर्तमान स्थिति एवं समाज की गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया। साथ ही बताया कि काफी समय से ब्राह्मण सभा का चुनाव लंबित है। वर्तमान पदाधिकारी चुनाव कराने में रुचि नहीं ले रहे हैं। उनका कहना है कि निर्वाचन 2028 में कराया जाएगा, जबकि वे खुद विधिवत निर्वाचित अध्यक्ष नहीं हैं। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि जल्द ही आमसभा बुलाकर चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। संरक्षक श्री त्रिपाठी ने उन्हें जल्द ही इस संबंध में वर्तमान अध्यक्ष से चर्चा कर चुनाव कराने का आश्वासन सदस्यों को दिया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में सभा के पूर्व अध्यक्ष दशरथ शुक्ला, वरिष्ठ सदस्य कैलाश नाथ तिवारी, पूर्व कोषाध्यक्ष विजय शंकर पाण्डेय, उमाकांत तिवारी, धीरेंद्र शुक्ला, रामहृदय तिवारी, संगममल त्रिपाठी, शिवमूरत तिवारी, विकास मिश्रा, गौतम ओझाा आदि शामिल रहे।

निधन

अरुण विल्फ्रेड प्रसाद

रायपुर। कटोरा तालाब निवासी अरुण विल्फ्रेड प्रसाद (75) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 जुलाई को अंतिम आराधना प्रातः 11 बजे के पश्चात 12 बजे सेंट पॉल्स प्रभु वाटिका अरविंद नगर टिकरापारा में किया जाएगा। वे सुषमा प्रसाद के पति, अभिनव सौरभ प्रसाद, आकांक्षा जेडेक के पिता, रोहित जेडेक के ससुर व दीपक गिडीयन के फूफा थे।

श्रीकांत सिंह सोमवंशी

रायपुर। महोबा बाजार शिव मंदिर के पास निवासी श्रीकांत सिंह सोमवंशी (77) का 24 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे आशीष, भानु, बिट्टू एवं वर्षा सोमवंशी के पिता थे।

दुर्गा प्रसाद देवांगन

रायपुर। भिलाई चरोदा निवासी दुर्गा प्रसाद देवांगन (45) का 24 जुलाई को निधन हो गया। वे शोभा देवांगन के पति, भावेश, तारिणी के पिता एवं लक्ष्मीकांत देवांगन के भाई थे।

इन्क्यूबेशन केंद्रों और कॉलेज स्टार्टअप सेल को मिलेगी वित्तीय सहायता

छग में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मिलेगा बड़ा प्रोत्साहन, इन्क्यूबेटरों को 5 साल तक अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30' के तहत इन्क्यूबेटरों तथा कॉलेज इनोवेशन एवं स्टार्टअप सेल को अनुदान और रियायतें देने संबंधी विस्तृत नियम जारी कर दिए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार ये प्रभावी हो गए हैं और औद्योगिक विकास नीति 2024-30 की अवधि में स्वीकृत प्रस्तावों पर लागू होंगे। नई व्यवस्था के तहत सरकारी और निजी क्षेत्र में स्थापित होने वाले नए इन्क्यूबेटरों के साथ पहले से संचालित इन्क्यूबेटरों के उन्नयन एवं संचालन के लिए भी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके अलावा कॉलेजों में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज इनोवेशन एवं स्टार्टअप सेल को भी अनुदान दिया जाएगा। नियमों के अनुसार नए सरकारी इन्क्यूबेटरों को कुल पात्र परियोजना लागत का अधिकतम 75 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा, जबकि निजी क्षेत्र के टियर-1 इन्क्यूबेटरों को परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम तीन करोड़ रुपये और टियर-2 इन्क्यूबेटरों को 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम दो करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाएगी।

कॉलेजों में स्टार्टअप संस्कृति विकसित करने पर जोर

नई नियमावली के तहत राज्य के पात्र महाविद्यालयों में कॉलेज इनोवेशन एवं स्टार्टअप सेल स्थापित किए जाएंगे। इन सेलों को हैकाथॉन, स्टार्टअप प्रतियोगिताएं, उद्यमिता कार्यशालाएं, मेंटरशिप, प्रोटोटाइप विकास और नवाचार गतिविधियों के लिए संचालन अनुदान मिलेगा। हालांकि भवन निर्माण, वाहन खरीद, नियमित वेतन या नकद पुरस्कार जैसे मदों पर इस राशि का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

स्टार्टअप कार्यक्रमों और एक्सेलेरेशन योजनाओं को भी मिलेगा समर्थन

मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटरों को स्टार्टअप बूटकैंप, हैकाथॉन, निवेशक संपर्क कार्यक्रम, डेमो डे, उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम और एक्सेलेरेशन प्रोग्राम आयोजित करने के लिए भी अनुदान दिया जाएगा। एक्सेलेरेशन कार्यक्रम की अवधि कम से कम आठ सप्ताह होगी और प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम 10 विकास चरण के स्टार्टअप शामिल करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम में मेंटरशिप, बिजनेस मॉडल विकास, बाजार सत्यापन, निवेशकों से संपर्क और पोस्ट-प्रोग्राम सहायता जैसी सुविधाएं शामिल रहेंगी।

अनुदान पांच वर्षों तक, छह माह में संचालन शुरू करना होगा

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पूंजीगत और संचालन व्यय के लिए अनुदान अधिकतम पांच वर्षों तक दिया जाएगा। पहली किस्त मिलने के छह माह के भीतर इन्क्यूबेटर का संचालन प्रारंभ करना अनिवार्य होगा। संचालन शुरू होने के बाद पांच वर्षों में कम से कम 100 स्टार्टअप को इन्क्यूबेशन सहायता देना भी अनिवार्य किया गया है।

महिला, एससी वर्ग और प्राथमिकता क्षेत्रों के लिए सीटें आरक्षित

सरकार ने समावेशी स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने के लिए इन्क्यूबेटरों को निर्देश दिया है कि वे कम से कम 10 प्रतिशत सीटें महिलाओं और विशेष श्रेणी के उद्यमियों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पूर्व सैनिक, अग्निवीर, नक्सल प्रभावित परिवार और दिव्यांगजन) के लिए तथा अलग से 10 प्रतिशत सीटें प्राथमिकता क्षेत्रों में कार्यरत स्टार्टअप्स के लिए आरक्षित रखें।

ऑनलाइन आवेदन कड़ी निगरानी व्यवस्था

इन्क्यूबेटरों को विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की जांच के बाद राज्य स्तरीय स्टार्टअप संवर्धन समिति पात्रता और प्रदर्शन के आधार पर अनुमोदन देगी। अनुदान के उपयोग, प्रगति और रोजगार संबंधी शर्तों की नियमित निगरानी की जाएगी। नियमों के उल्लंघन या गलत जानकारी मिलने पर अनुदान निरस्त कर वसूली की जा सकेगी तथा आदेश के विरुद्ध वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव के समक्ष अपील का प्रावधान भी रखा गया है।

छत्तीसगढ़ की स्पेस डिजाइन रिसर्च संस्था अरकासा ने पोलैंड में रचा नया कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ स्थित स्पेस रिसर्च संस्था अरकासा स्पेस आर्किटेक्चर एंड डिजाइन रिसर्च लैब ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पोलैंड में विश्वस्तरीय ह्यूमन सेंट्रीफ्यूज ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी की है। यह मिलिट्री-ग्रेड प्रशिक्षण वही उन्नत कार्यक्रम है, जिसका उपयोग एफ-16, एफ-35 और एमआईजी-29 जैसे लड़ाकू विमानों के पायलटों तथा अंतरिक्ष यात्रियों को अत्यधिक जी-फोर्स परिस्थितियों के लिए तैयार करने में किया जाता है।

रायपुर में स्थापित अरकासा एक उभरती हुई स्पेस आर्किटेक्चर एवं डिजाइन रिसर्च लैब है, जो विज्ञान, वास्तुकला, डिजाइन और मानव अंतरिक्ष अन्वेषण के संगम पर कार्य कर रही है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य भविष्य के चंद्र और मंगल मिशनों, मानव-केंद्रित अंतरिक्ष आवास, एनालॉग एस्ट्रोनॉट मिशनतथा स्पेस एजुकेशन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देना है। साथ ही, भारत की वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में भूमिका को और मजबूत बनाना भी इसका लक्ष्य है। यह ह्यूमन सेंट्रीफ्यूज प्रशिक्षण पोलैंड के एनालॉग एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग सेंटर के संस्थापक मातेयुश हरासिमचुक तथा मिलिट्री इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन मेडिसिन, वारसॉ के सहयोग से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में अरकासा का प्रतिनिधित्व संस्था की संस्थापक आर्किटेक्ट अर्शलीन कौर साहनी, सह-संस्थापक आर्किटेक्ट बिस्वजीत दास, टीम सदस्य लुमेश साहू तथा अनुष्का राठौर ने किया।

बिजनेस साइट

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में निशुल्क एंडोस्कोपी जांच शिविर 31 जुलाई को

UMH ™ आयुष्मान भवः

पूर्व पंजीयन अनिवार्य

रायपुर। उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल, भाठागांव में 31 जुलाई को निशुल्क एंडोस्कोपी जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार गंभीर पेट संबंधी रोगों की समय पर पहचान और उपचार के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में सीमित संख्या में मरीजों की जांच की जाएगी। इसलिए इच्छुक मरीजों के लिए पूर्व पंजीयन अनिवार्य किया गया है। अस्पताल का दावा है कि वह प्रदेश में प्रत्येक माह निःशुल्क एंडोस्कोपी जांच शिविर आयोजित करने वाला प्रमुख संस्थान है। गंभीर पेट रोग एवं जीईआरडी विशेषज्ञ डॉ. विनोद सिंह, डॉ. सन्नी उत्तमानी तथा सर्जन डॉ. प्रवेश शुक्ला ने बताया कि भूख कम लगना, मुंह में कड़वाहट, खून की उल्टी, एसिडिटी, लगातार गैस, पेट दर्द, सीने में जलन, बार-बार उल्टी या मितली, खाना निगलने में कठिनाई, मल त्याग में परेशानी, मल के साथ खून या मवाद आना और पेट भारी रहने जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर एंडोस्कोपी जांच से बीमारी का प्रारंभिक चरण में पता लगाकर उपचार संभव है, जिससे गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

डीपीएस रायपुर पहुंचे जर्मन लेखक ब्रैंडन क्यू मॉरिस

छात्रों से साझा किए विज्ञान और एआई पर विचार

रायपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) रायपुर में जर्मनी के प्रसिद्ध विज्ञान कथा लेखक, भौतिक विज्ञानी एवं विज्ञान पत्रकार ब्रैंडन क्यू मॉरिस का स्वागत पारंपरिक भारतीय रीति-रिवाजों से किया गया। विद्यार्थियों ने तिलक, आरती और रंगोली के माध्यम से उनका अभिनंदन किया, वहीं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उनके हाथों पौधारोपण भी कराया गया। इस अवसर पर आयोजित शिष्टाचार बैठक में भारत-जर्मनी की शिक्षा व्यवस्था, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर सार्थक चर्चा हुई। छात्रों ने मानसून डांस की प्रस्तुति से अतिथि का स्वागत किया, जबकि मॉरिस ने विद्यालय की अटल टिंकरिंग लैब और अन्य नवाचार सुविधाओं का अवलोकन कर सराहना की। विशेष छात्र संवाद सत्र में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने लेखन, विज्ञान, तकनीक और जर्मन संस्कृति से जुड़े प्रश्न पूछे। मॉरिस ने एआई को सहयोगी तकनीक बताते हुए पुस्तकों के अनुवाद में भाषाविदों की सहायता लेने की सलाह दी, ताकि मूल भाव सुरक्षित रह सके। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

परिवार के साथ जगदलपुर गए थे सहायक उपनिरीक्षक

एएसआई के सूने मकान में पौने दो लाख की चोरी

मुजगहन थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

एएसआई के सूने मकान को निशाना बनाते हुए चोर ने 1.73 लाख रुपए के जेवर तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोर घर का मेन गेट और आलमारी के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी ले गया। घटना मुजगहन थाना क्षेत्र की है। अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोर की पतासाजी कर रही है।

बिलासपुर पुलिस लाइन में तैनात एएसआई सुरेंद्र सिकरवार डूंडा स्थित शिव विहार कालोनी में रहते हैं। एएसआई 18 जुलाई को परिवार सहित सुबह 7.30 बजे अपने पुराने

घर जगदलपुर चले गए थे। इस दौरान मकान में ताला लगा हुआ था। 23 जुलाई की सुबह पड़ोसी ने एएसआई को मोबाइल पर सूचना दी कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है और गेट खुला पड़ा है। सूचना मिलते ही सुरेंद्र सिकरवार जगदलपुर से रायपुर पहुंचे। घर पहुंचकर देखा तो मेन गेट और दोनों आलमारियों के ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर आलमारी में रखा करीब 50 हजार रुपए की सोने की चेन, आठ हजार रुपए की चांदी की पायल और 1.15 लाख रुपए नकद गायब मिले।

दोस्त को घर छोड़कर लौट रहे एमबीए छात्र पर डंडे से हमला कर लूट

घटना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के एक्सप्रेस वे के पास की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी में कड़ी चौकसी के दावों के बीच सूनसान इलाकों के साथ व्यस्त मार्गों पर बदमाश लूटपाट करने के साथ मारपीट, चाकूबाजी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। गुरुवार देर रात अपने दोस्त को घर छोड़कर लौट रहे एक एमबीए छात्र को बदमाशों ने लूट का शिकार बनाते हुए उसका 80 हजार रुपए कीमत का मोबाइल लूट लिया। घटना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के बीएसयूपी कालोनी स्थित एक्सप्रेस वे की है। शंकर नगर निवासी सितांशु मिश्रा ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। छात्र ने पुलिस को बताया है कि वह एमबीए करने के साथ कंस्ट्रक्शन का कार्य करता है।

अंधेरे में छिपे बैठे थे बदमाश

रात करीब 12.30 बजे सितांशु अमलीडीह बीएसयूपी कालोनी के पास एक्सप्रेस-वे रोड से गुजर रहा था, तभी सड़क किनारे पेड़ के नीचे अंधेरे में छिपे दो युवक अचानक सामने आ गए। दोनों के हाथ में डंडे थे। स्कूटी रुकते ही बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया और डंडे से मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद बदमाश युवक की शर्ट की जेब में रखा मोबाइल लूट कर मौके से भाग गए। घटना के बाद पीड़ित सीधे तेलीबांधा थाना पहुंचा, जहां पुलिस ने घटनास्थल न्यू राजेंद्र नगर होने के कारण उसे वहां रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी। मारपीट में छात्र के बाएं हाथ, सिर और पीठ पर चोटें आई हैं।

सहायक शिक्षक के लिए आवेदन प्रारंभ

रायपुर। छग कर्मचारी चयन मंडल (पूर्व नाम व्यापम)ने लोक शिक्षण संचालनालय के अंतर्गत रिक्त सहायक शिक्षकों के पदों के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिए हैं। 24 जुलाई से 21 अगस्त तक इसके लिए आवेदन किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर अभाविप ने 120 मेधावियों का किया सम्मान

केवल 'जॉब सीकर' नहीं, बल्कि 'जॉब मेकर' बने : अभिषेक अग्रवाल

रायपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर टिम्बर भवन, देवेंद्र नगर में आयोजित 'नवदीप सम्मान समारोह 2.0' में सत्र 2025-26 की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में अपने-अपने विद्यालयों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 120 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान कर उन्हें बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। मुख्य अतिथि अंजनेय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल ने विद्यार्थियों से केवल 'जॉब सीकर' नहीं, बल्कि 'जॉब मेकर' बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एआई, नई शिक्षा नीति और आधुनिक तकनीकों को अवसर के रूप में अपनाकर युवा अपने कौशल का विकास करें। प्रदेश संगठन मंत्री निलेश कटारे ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया समारोह में स्वामी आत्मानंद स्कूल, फाफाडीह की छात्रा शिफत परवीन को 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में दसवां स्थान हासिल करने पर विशेष सम्मान दिया गया।

शांतिनिकेतन पब्लिक स्कूल ने स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

रायपुर। शांतिनिकेतन पब्लिक स्कूल का 18वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की संचालक ज्योति गुप्ता, नितिन गुप्ता, सौम्या गुप्ता एवं रुचि गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया। कार्यक्रम में डायरेक्टर ऋषभ गुप्ता, प्राचार्य बंशीलाल सुर्गे, शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय छात्र संघ का गठन भी किया गया, जिसमें हेड बॉय, हेड गर्ल सहित विभिन्न पदों पर चयनित विद्यार्थियों को नेतृत्व एवं जिम्मेदारियों की शपथ दिलाई गई। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

पेज 11 के शेष

नौसिखिया की करतूत...

पूर्वक तेज रफ्तार से चलाती आ रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर ओवरब्रिज पर मौजूद लोगों और कई गाड़ियों से टकरा गयी। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हादसे के दौरान कार की नंबर प्लेट सड़क पर गिर गई। इसी के आधार पर पुलिस ने वाहन की पहचान कर ली। संबंधित वाहन मालिक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस महिला चालक की तलाश कर रही है।

14 करोड़ के सरोना स्टेशन...

लगाए गए दर्जनभर से अधिक पेयजल नलों में अधिकतर सूखे मिले। पानी केवल उन दो नलों में आ रहा था, जहां वाटर कूलर लगे हैं। इसके कारण यात्रियों को पानी के लिए प्लेटफॉर्म पर लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक जाने के लिए लगाई गई लिफ्ट भी बंद मिली। ऐसे में बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों को फूट ओवरब्रिज का सहारा लेना पड़ा। रेलवे ने स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने का दावा किया था, लेकिन उद्घाटन के महज आठ दिन बाद ही सामने आई ये खामियां निर्माण कार्य की गुणवत्ता और रखरखाव पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। जब नई इमारत में शुरुआती दिनों में ही सीपेज और सुविधाओं के संचालन में दिक्कतें दिखाई दे रही हैं, आने वाले समय में स्टेशन की स्थिति और भी खराब हो जाएगी।

नए और पुराने मेडिकल...

माना जा रहा है कि इस प्रमोशन लिस्ट के बाद नए और पुराने कालेजों के खाली पदों की काफी हद तक पूर्ती हो जाएगी। वैसे जानकारों का कहना है कि राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में स्वीकृत सेटअप में एसोसिएट प्रोफेसर के करीब 50 प्रतिशत पद अभी रिक्त हैं।

महादेव सट्टा एप, दिल्ली...

मिले हैं। कारोबारी से मिले सबूतों के आधार पर ईडी के अफसर आने वाले दिनों में और बड़ी कार्रवाई कर सकते हैं। इसके अलावा कई हवाला कारोबारी ईडी की रडार पर हैं।

राज्यपाल से निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से शुक्रवार को लोकभवन में राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से संबंधित प्रावधानों पर राज्यपाल से विचार-विमर्श किया। श्री डेका ने राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के विस्तार के सबंद्ध में अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति गजराज पगारिया, शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई दुर्ग के कुलाधिपति आईपी मिश्रा, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलाधिपति सुशील चंद्राकर, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति डॉ. संदीप अरोड़ा, आईएसबीएम विश्वविद्यालय, गरियाबंद और रायपुर के कुलपति डॉ. आनंद महलवार, आंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल, दावड़ा विश्वविद्यालय रायपुर के सीईओ चिन्मय दावड़ा, कोलंबिया विश्वविद्यालय रायपुर के प्रो. कुलाधिपति हरजीत सिंह हूरा उपस्थित थे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-21 (रावांभाठा) तहसील धरसींवा, जिला रायपुर

सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 20/07/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका रामकुमार साहू पिता थनवार साहू निवासी रावांभाठा द्वारा आवेदित ग्राम रावांभाठा प.ह.नं. 86 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-21 (रावांभाठा) स्थित भूमि खसरा नंबर 273/73 रकबा 0.009 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा जिला रायपुर के ज्ञा. क्र. / वाचक / तह./ वर्ष 2025-26 धरसींवा के आदेश दिनांक 18/06/2026 के परिपालन में दिनांक 28/07/2026 को समय 12:00 बजे पश्चात किया जाना है।

अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक / समय तक पटवारी हल्का नंबर 86 के रावांभाठा स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-21 (रावांभाठा)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा श्रीमती दीप्ति अग्रवाल पति श्री अरुण अग्रवाल निवासी -मकान क्रमांक- बी-601, डॉल्फिन प्लाज़ा, दलदलसिवनी रोड, मोवा, रायपुर (छ.ग.) द्वारा एक संपत्ति जिसका भूखंड क्र.-ए-16, खसरा क्र.-15002/79 (पुराना खसरा क्र.-7/51, 7/63, 32/2 का भाग) भूखंड का रकबा - 4000 वर्ग फुट है, जो कि, सेक्टर - 2, वी आई पी सिटी, ग्राम -सड्डू, प. ह. न.- 109/44, कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्र.-26, तहसील व जिला -रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, स्वत्व के रूप में धारित की जाती है।

उक्त संपत्ति से सम्बन्धित पूर्व का एक विक्रय विलेख जिसका निष्पादन आर.पी.रियल इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालक - राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा मेरे पक्षकार के पूर्व स्वामी श्रीमती राधा देवी डागा पति श्री सुनील कुमार डागा के पक्ष में किया गया था जिसका पंजीयन दिनांक 11.06.2007 को पुस्तक क्र.-अति.-1, ग्रन्थ क्र.-37142, में दस्तावेज़ क्र.-2190 (क) देकर जिला उप-पंजीयक कार्यालय, रायपुर में किया गया था। उक्त मूल विक्रय विलेख पूर्व स्वामी श्रीमती राधा देवी डागा से गुम हो गई है, जिस हेतु उनके द्वारा सम्बन्धित थाना (सिविल लाइंस), में एक गुमशुदगी सूचना दी गयी है।

अतः यदि उपरोक्त मूल विक्रय विलेख के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई भी संव्यवहार अवैधानिक तरीके से कूट-रचना कर अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि द्वारा किया जाता है अथवा किया गया है तो वह आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आयेगा। यदि ऐसे किसी संव्यवहार से किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि को हानि पहुंची हो अथवा कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिवस के भीतर मेरे निम्नलिखित पते पर मय दस्तावेज़ आपत्ति प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध तथा शून्य मानी जायेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जाने।

दिनांकः 24.07.2026
स्थानः रायपुर

मनीष मल्होत्रा, अधिवक्ता
जी-7, सैक्टर -1,
अवन्ती विहार, रायपुर (छ.ग.)
मो.- 9826628916

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा श्रीमती दीप्ति अग्रवाल पति श्री अरुण अग्रवाल निवासी- मकान क्रमांक- बी-601, डॉल्फिन प्लाज़ा, दलदलसिवनी रोड, मोवा, रायपुर (छ.ग.) द्वारा एक संपत्ति जिसका भूखंड क्र.-बी-08, खसरा क्र.-15002/78 (पुराना खसरा क्र.-32/2 का भाग) भूखंड का रकबा -4000 वर्ग फुट है, जो कि, सैक्टर -2, वी आई पी सिटी, ग्राम -सड्डू, प. ह. न. - 109/44, कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्र.-26, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, स्वत्व के रूप में धारित की जाती है।

उक्त संपत्ति से सम्बन्धित पूर्व का एक विक्रय विलेख जिसका निष्पादन आर.पी.रियल इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालक -राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा मेरे पक्षकार के पूर्व स्वामी श्री सुनील कुमार डागा (एच.यू.एफ.) द्वारा कर्ता श्री सुनील कुमार डागा पिता स्व. बंशीधरजी डागा के पक्ष में किया गया था जिसका पंजीयन दिनांक 13.12.2006 को पुस्तक क्र.-अति.-1, ग्रन्थ क्र.-35373, में दस्तावेज़ क्र.-3143 देकर जिला उप-पंजीयक कार्यालय, रायपुर में किया गया था। उक्त मूल विक्रय विलेख पूर्व स्वामी श्री सुनील कुमार डागा (एच.यू.एफ.) द्वारा कर्ता श्री सुनील कुमार डागा से गुम हो गई है, जिस हेतु उनके द्वारा सम्बन्धित थाना (सिविल लाइंस), में एक गुमशुदगी सूचना दी गयी है।

अतः यदि उपरोक्त मूल विक्रय विलेख के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई भी संव्यवहार अवैधानिक तरीके से कूट-रचना कर अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि द्वारा किया जाता है अथवा किया गया है तो वह आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आयेगा। यदि ऐसे किसी संव्यवहार से किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि को हानि पहुंची हो अथवा कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिवस के भीतर मेरे निम्नलिखित पते पर मय दस्तावेज़ आपत्ति प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध तथा शून्य मानी जायेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जाने।

दिनांकः 24.07.2026
स्थानः रायपुर

मनीष मल्होत्रा, अधिवक्ता
जी-7, सैक्टर -1,
अवन्ती विहार, रायपुर (छ.ग.)
मो.- 9826628916

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, ईशा अग्रवाल, पति श्री शैलेन्द्र गर्ग, निवासी फ्लैट नं. C 101, एम 2, आर्शिया, आनन्दम वर्ल्ड सिटी, कचना रोड, रायपुर (छ.ग.), ने अपना पुराना नाम "ईशा अग्रवाल" त्याग कर नया नाम **"ईशा गर्ग"** रख लिया है।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय एवं अन्य सभी अभिलेखों/दस्तावेजों में मेरे नए नाम **"ईशा गर्ग"**, पति श्री शैलेन्द्र गर्ग, से ही जाना एवं पहचाना जाए।

आवेदिका
ईशा गर्ग
पति- श्री शैलेन्द्र गर्ग
फ्लैट नं. C 101, एम 2, आर्शिया,
आनंदम वर्ल्ड सिटी, कचना रोड,
रायपुर (छ.ग.)

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग • मानसिक रोग
• त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मूत्र संबंधी रोग
• मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग
• पेट संबंधी विकार • थायराइड मांसपेशी का रोग
• अस्थमा • मोटापा • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
सेक्टर -7 B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर- कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व),एसबीआई बैंक के पास, भिलाई(छ.ग.) 95224 66605

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
उपलब्ध सुविधाएं
• गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
• एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
• सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
• बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
• आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
• TPA की सुविधा
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी.सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

BHASKAR EYE CARE
भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नही होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST
डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

युवा कैट का निशुल्क एआई वर्कशॉप, व्यापारियों ने सीखीं तकनीकें

रायपुर। युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष कांति पटेल, प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि युवा कैट छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर स्थित कार्यालय में एआई इन योर पॉकेट विषय पर निशुल्क एआई वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य व्यापारियों, उद्यमियों एवं युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नवीन तकनीकों से परिचित कराना तथा उनके व्यवसाय में एआई के प्रभावी उपयोग के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व्यापार जगत में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का माध्यम बन चुका है। यदि व्यापारी समय के साथ नई तकनीकों को अपनाते हैं, तो वे अपने व्यवसाय को अधिक प्रभावी, आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी बना सकते हैं। कार्यशाला में ई-डिजी केंद्र एवं ई-डिजी एकेडमी की संस्थापक सुश्री एकता ठाकुर ने प्रतिभागियों को वाट्स एप बिल्ट एंड इन एआई, एआई आधारित कंटेंट निर्माण, प्रोडक्ट कैट लॉग तैयार करना, एआई की सहायता से आकर्षक वीडियो बनाना तथा दैनिक व्यापारिक कार्यों में एआई के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक दीपक विधानी, निपेश प्रजापति एवं रौनक पटेल थे। कार्यक्रम का संचालन युवा टीम प्रदेश के महामंत्री रतनदीप सिंह ने एवं समापन उद्बोधन हिमांशु वर्मा ने किया।

छग सिंधी सेवा महापंचायत के प्रदेश उपाध्यक्ष बने मनोज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत के अध्यक्ष अमर गिदवानी की अनुशंसा पर महासचिव जीतेंद्र बड़वानी ने संस्था के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोज मसंद की नियुक्ति की घोषणा की है। उनकी नियुक्ति पर परिजनों, संस्था के सदस्यों ने हर्ष जताया है।

कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने रखा अपना पक्ष

रायपुर । कांग्रेस भवन के सामने प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, नेताओं का पुलिस के साथ झूमा झटकी के बाद उपजे विवाद में पुलिस ने 12 कांग्रेस नेताओं सहित अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। इसके विरोध में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस नेता और उनके कार्यकर्ता गुरुवार को खम्हारडीह थाना का घेराव करने के साथ देर रात तक थाना के सामने धरने पर बैठे रहे। कांग्रेस नेताओं के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने अपना पक्ष रखते हुए बताया है कि प्रदर्शन के बाद खम्हारडीह थाना में अपराध पंजीबद्ध किया गया है, जिसकी विवेचना जारी है। कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए आवेदन को प्रकरण की विवेचना में शामिल किया गया है। मौके पर पाए गए साक्ष्यों के आधार पर आगामी सप्ताह तक अन्य के खिलाफ वैधनिक कार्रवाई की जाएगी।

आस्था पर डीजल-पेट्रोल के दाम का असर, मूर्तियों की निर्माण सामग्री महंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

महंगाई की मार से आस्था भी अछूति नहीं रही। डीजल और पेट्रोल के दामों में आई तेजी ने मूर्तिकारों ही नहीं, बल्कि श्री गणेश, श्री दुर्गा और विश्वकर्मा भगवान की मूर्तियों को स्थापित करने वाले श्रद्धालुओ के बजट पर भी असर डाला वाला है।

आयोजकों की जेब पर डेढ़ से तीन गुना मटेरियल के बढ़े हुए दाम का असर पड़ने लगा है। माना सहित शहर के विभिन्न क्षेत्र में मूर्तियों का निर्माण करने वालों का मत है कि कई जरूरी सामग्री के दामों में 25 से 30 फीसदी इजाफा हुआ है। इस सीजन का परिवहन खर्च बढ़ने से मूर्तियों के दाम भी आर्डर देने वाली समिति के लोगों पर असर डालने वाले हैं। शहर से सटी माना बस्ती और कैम्प क्षेत्र में देवी-देवताओं की मूर्तियों का निर्माण करने वाले कलाकारों की पीड़ा यह भी है कि अब उन्हें बड़ी मूर्तियों के आर्डर संभव है कम मिलेंगे। मूर्तिकार मानिक ठाकुर, मिथुन विश्वास और जयंत ने बताया कि हाई प्रोफाइल कालोनियों का दायरा बढ़ने से मूर्ति निर्माण के लिए सबसे जरूरी सामग्री के रूप में उपयोग की जाने वाली मिट्टी, पैरा, भूषा और जूट रस्सी के दामों पर गहरा असर पड़ा है।

मूर्तिकारों ने बताया कि जरूरी सामान का जहां डेढ से तीन गुना दाम बढ़ गया है, वहीं अन्य सामग्री के दामों में भी 15 से 20 फीसदी वृद्धि के बजाय इस बार 25 से 30 फीसदी तेजी देखने को मिल रही है। आयोजन समिति की आस्था पर इसका असर नहीं है। पहले मूर्तियों की भव्यता पर फोकस होता था, लेकिन अब दिव्यता और अलौकिक स्वरूप आर्डर किए जा रहे हैं।

मूर्तिकारों की पीड़ा : आर्डर देने के लिए आने वाली आयोजन समिति के सदस्यों पर भी गहरा असर

प्रतिमा निर्माण करने वाले कारीगरों का वेतन : वर्षों से भगवान गणेश, माता दुर्गा, भगवान कृष्ण, भोलेनाथ की झांकी सहित विविध मूर्तियों का निर्माण करने के लिए पश्चिम बंगाल और कोलकाता से कारीगरों को प्रतिमा निर्माण के लिए बुलाया जाता है। इनका प्रतिदिन का वेतन, खाने और रहने की सुविधा भी देनी होती है। इसके बाद भी पहले मूर्तियों की कीमत समितियों के बजट में होती थी, लेकिन इस बार आराध्य देवी-देवताओं की मूर्तियों का दाम आयोजकों को परेशान करने लगा है। इस संकट को देखते हुए लोगों ने मूर्तियों को बड़ा बनवाने की जगह आकर्षक बनाने पर जोर देना शुरु किया हैं।

एक नजर में बढ़े हुए दामों का लेखा-जोखा

जरूरी सामान	पिछले सीजन	वर्तमान दर
जूट रस्सी	50 किलो, 4500	12,000
मिट्टी प्रति ट्राली	3 से 4 हजार रुपए	6,000
पैरा प्रति ट्राली	3000 रुपए	4,500
गंगा मिट्टी	15 किलो, 250	450
भूस	प्रति किलो 140	250

माना क्षेत्र के किसानों से ही मिलती थी सामग्री : मूर्तिकारों ने बताया कि करीब 20 साल पहले माना बस्ती के आसपास ही मूर्तियों का निर्माण करने में उपयोग की जाने वाली ज्यादातर सामग्री माना और आसपास के किसानों से मिल जाती थी। लेकिन अब शहरी परिवेश में रहने की चाहत ने किसानों को व्यापारी बना दिया। कॉलोनी कल्चर का प्रभाव बढ़ने से मूर्तियों का निर्माण करने वाले कलाकरों के सामने सामग्री जुटाने की चुनौती है। धरमपुरा, भनपुरी, पाटन, धमतरी क्षेत्र के किसानों से मूर्ति बनाने में काम आने वाली जरूरी सामग्री के परिवहन का खर्च सबसे ज्यादा हो गया।

अमरकंटक में रोज 10 से 15 बेडरोल पैकेट की मांग

रेलमंडल की नई पहल, स्लीपर में अब 70 रुपए में यात्रियों को मिलेगा चादर-तकिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

एसी कोच में मिलने वाली चादर और तकिया जैसी सुविधा का लाभ अब स्लीपर श्रेणी के यात्री भी उठा सकेंगे। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल ने दुर्ग-भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में भुगतान आधारित बेडरोल सुविधा शुरू की है। इसके तहत यात्री यात्रा के दौरान निर्धारित शुल्क देकर अपनी जरूरत के अनुसार चादर और तकिया प्राप्त कर सकते हैं। रेल मंडल के अनुसार यह सुविधा जुलाई से शुरू की गई है। ट्रेन में नियुक्त बेडरोल अटेंडेंट स्लीपर कोच में नियमित रूप से भ्रमण कर यात्रियों की मांग के अनुसार बेडरोल उपलब्ध करा रहे हैं। भुगतान लेने के बाद यात्रियों को विधिवत रसीद भी दी जा रही है।

इस व्यवस्था के संचालन के लिए एस-3 कोच की सीट संख्या 79 और 80 बेडरोल अटेंडेंट के लिए आरक्षित की गई है। यदि किसी यात्री को बेडरोल प्राप्त करने में परेशानी होती है, तो वह संबंधित टीटीई से संपर्क कर सुविधा का लाभ ले सकता है। रेलवे के मुताबिक शुरुआत के बाद से इस सुविधा को यात्रियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 10 से 15 बेडरोल पैकेट तथा 30 से 35 तकियों की मांग दर्ज की जा रही है। बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में रायपुर मंडल की अन्य ट्रेनों के स्लीपर कोचों में भी यह सुविधा शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

यात्रियों की बढ़ती मांग पर मंडल की अन्य ट्रेनों में भी होगा सुविधा का विस्तार

अटेंडेंट देगा बेडरोल, नहीं मिलने पर टीटीई से करें संपर्क

स्लीपर कोच के यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में बेडरोल अटेंडेंट की तैनाती की गई है, जो कोचों में घूमकर यात्रियों को भुगतान के आधार पर बेडरोल उपलब्ध कराते हैं। शुल्क लेने के बाद यात्रियों को रसीद भी दी जाती है। इस व्यवस्था के लिए अमरकंटक एक्सप्रेस के एस-3 कोच की सीट संख्या 79 और 80 अटेंडेंट के लिए आरक्षित की गई है। यदि किसी यात्री को यात्रा के दौरान बेडरोल नहीं मिल पाता है तो वह संबंधित टीटीई से संपर्क कर इस सुविधा का लाभ ले सकता है।

जरूरत के अनुसार तीन तरह के बेडरोल पैकेट उपलब्ध

रायपुर रेल मंडल ने यात्रियों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तीन प्रकार के बेडरोल पैकेट उपलब्ध कराए हैं। यात्री 70 रुपये का शुल्क देकर दो बेडशीट, एक तकिया और एक तकिया कवर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं केवल दो बेडशीट लेने के लिए 40 रुपये और एक तकिया व एक तकिया कवर के लिए 30 रुपये का भुगतान करना होगा। यात्री अपनी आवश्यकता के अनुसार इनमें से किसी भी पैकेट का चयन कर सकते हैं।

अन्य ट्रेनों में भी मिलेगी सुविधा

रायपुर रेल मंडल के अनुसार अमरकंटक एक्सप्रेस में यात्रियों की बढ़ती मांग और सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए भविष्य में मंडल की अन्य ट्रेनों के स्लीपर श्रेणी के कोचों में भी भुगतान आधारित बेडरोल सुविधा शुरू करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक आरामदायक सफर का लाभ मिलेगा।

रेलवे स्टेशनों पर बढ़ रही बैठने की सुविधा

- मंडल में 413 स्टेनलेस स्टील और 368 आरसीसी बेंच लगाई

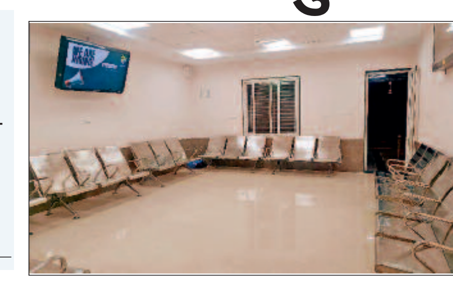

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- मंडल में अमृत भारत और री-डेवलपमेंट स्टेशनों पर यात्रियों को मिल रही बेहतर प्रतीक्षा व्यवस्था

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में यात्रियों को बेहतर व आरामदायक प्रतीक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म और वेटिंग हॉल में स्टेनलेस स्टील की आधुनिक तीन-सीटर और आरसीसी बेंच लगाने का कार्य जारी है। रेलवे के अनुसार इन बेंचों के स्थापित होने से यात्रियों को ट्रेन की प्रतीक्षा के दौरान सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक बैठने की व्यवस्था मिलेगी। रायपुर रेल मंडल ने अमृत भारत स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में बैठने की व्यवस्था करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत कुल लगभग 620 स्टेनलेस स्टील की तीन-सीटर बेंच तथा 478 आरसीसी बेंच स्थापित की जा रही हैं। वर्तमान में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे स्टेशनों और अन्य स्टेशनों पर यह कार्य लगातार प्रगति पर है।

भिलाई नगर स्टेशन पर सबसे ज्यादा 90 बेंच लगाई

रेलवे के अनुसार अब तक अमृत भारत स्टेशनों एवं मेजर री-डेवलपमेंट स्टेशनों पर 413 स्टेनलेस स्टील की तीन-सीटर बेंच और 368 आरसीसी बेंच लगाई जा चुकी हैं। इनमें भानुप्रतापपुर स्टेशन पर 28, भिलाई नगर में 90, सरोना में 15, उरकुरा में 53, भिलाई में 45, दल्लीराजहरा में 25, निपानिया में 30 तथा बालोद स्टेशन पर 25 बेंच स्थापित की गई हैं। इसके अलावा रायपुर रेल मंडल के मेजर री-डेवलपमेंट स्टेशनों में रायपुर स्टेशन पर 70 और दुर्ग स्टेशन पर 32 आधुनिक स्टेनलेस स्टील बेंच लगाने का कार्य भी किया जा रहा है।

ट्रैफिक पुलिस और निगम अमले ने हटाया अवैध कब्जा

- पचपेड़ी नाका, पुजारी पार्क एवं पंडरी कपड़ा मार्केट मंडी गेट क्षेत्र में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से ट्रैफिक डीसीपी अर्चना झा के निर्देश पर यातायात पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। टीम ने पचपेड़ी नाका पुजारी पार्क क्षेत्र तथा पंडरी स्थित कपड़ा मार्केट मंडी गेट में अवैध कब्जा के खिलाफ कार्रवाई की।

अभियान के दौरान सार्वजनिक मार्ग, सड़क एवं फुटपाथ पर अवैध रूप से ठेले, गुमटियां एवं अन्य अस्थायी व्यवसाय संचालित कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सड़क पर सामान फैलाकर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले दुकानदारों को तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए तथा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अभियान के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि आम नागरिक, पैदल यात्रियों एवं वाहन चालकों को निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

समझाइश के साथ चेतावनी

कार्रवाई के दौरान व्यापारियों एवं अतिक्रमणकारियों को समझाइश देते हुए बताया गया कि सड़क एवं फुटपाथ सार्वजनिक उपयोग की संपत्ति है, जिस पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न केवल यातायात को प्रभावित करता है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ाता है। सभी लोगों को भविष्य में पुनः अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी है।

चेक मीटर में नहीं मिला अंतर

स्मार्ट मीटर के तेज चलने की साढ़े चार हजार अर्जियां

- एसी को कम तापमान पर चलाने पर बढ़ जाती है 50 फीसदी खपत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्मार्ट मीटरों को लेकर प्रदेशभर में हाहाकार मचा हुआ है। लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं कि स्मार्ट मीटर पुराने मीटर से तेज चल रहा है। ऐसी ही साढ़े चार हजार शिकायतों पर छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने उपभोक्ताओं के आवेदनों पर उनके कनेक्शन के साथ चेक मीटर लगाकर चेक करने का काम प्रारंभ किया है। वितरण कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर के मुताबिक अब तक किसी भी स्मार्ट मीटर और पुराने चेक मीटर की रीडिंग में अंतर सामने नहीं आया है। जिन भी उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के तेज चलने का संदेह हैं, उनके आवेदन पर लगातार चेक मीटर लगाकर रीडिंग का मिलान किया जा रहा है। पॉवर कंपनी के एक तकनीकी विशेषज्ञ ए. लखेरा ने बताया किसी भी एसी को अगर 24 से 26 डिग्री के स्थान पर 18 डिग्री में चलाया जाता है, तो खपत 50 फीसदी बढ़ जाती है। प्रदेशभर के उपभोक्ताओं के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। अब तक 41 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इन मीटरों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं कि इन मीटरों के कारण बिजली का बिल डबल से ज्यादा हो गया है। इसको लेकर कांग्रेस आंदोलन भी कर रही है। कांग्रेस ने तो स्मार्ट मीटर बदलने को लेकर उपभोक्ताओं से फार्म भी भरवाने प्रारंभ कर दिए हैं।

कोई गड़बड़ी नहीं मिली

प्रदेश में साढ़े चार हजार उपभोक्ताओं के आवेदनों पर स्मार्ट मीटरों को चेक करने के लिए चेक मीटर लगाए गए हैं। अब तक कहीं से भी कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है।
- भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

रायपुर के 30 चेक मीटरों में नहीं मिला अंतर : राजधानी रायपुर के सर्किल वन में उपभोक्ताओं के आवेदनों पर 30 उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्मार्ट मीटरों को चेक करने के लिए पुराने चेक मीटर लगाए। सर्किल वन के अधीक्षण अभियंता महावीर विश्वकर्मा के मुताबिक एक भी स्मार्ट मीटर और चेक मीटर में कोई अंतर नहीं मिला है। जिन भी उपभोक्ताओं को कोई भी संदेह है वे आवेदन देकर चेक मीटर लगवा सकते हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स-2026, भारतीय दल को दीं शुभकामनाएं

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, अनुशासन, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर विश्व खेल जगत में देश की पहचान को निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि भारतीय दल खेल भावना, उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण के साथ विश्व पटल पर तिरंगे का गौरव बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की जीत के साथ-साथ उनका संघर्ष, परिश्रम और राष्ट्र के लिए समर्पण भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। देशवासियों की शुभकामनाएं और विश्वास पूरे भारतीय दल के साथ हैं। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना करते हुए कहा कि पूरा देश उनकी सफलता के लिए प्रार्थना कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश का मान और गौरव बढ़ाएंगे।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
हरिभूमि समाचार पत्र को सर्वे कार्य हेतु 20 युवक एवं युवतियों की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन हो, इच्छुक व्यक्ति संपूर्ण बायोडाटा के साथ तुरंत संपर्क करें।

योग्यता : 10वीं, 12वीं, स्नातक
वेतन 10,000 +
Resume Whatsapp करें
9827555678, 8370049468
ऑनलाईन आवेदन भी कर सकते हैं।
cir.haribhoomi@gmail.com
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर

- नीट पेपर लीक मामले में किया प्रदर्शन

आम आदमी पार्टी का कैंडल मार्च छात्रों को मुआवजा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नीट पेपर लीक मामले में 30 बच्चों द्वारा अब तक आत्महत्या करने पर आम आदमी पार्टी पार्टी ने आंबेडकर चौक में प्रदर्शन कर शहीद भगत सिंह चौक शंकर नगर तक कैंडल मार्च निकाला। आप नेताओं ने कहा, पिछले 10 बरसों में 89 बार प्रश्नपत्र लीक हुए। 48 बार परीक्षा दोबारा हुई। पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के सदमे के कारण देशभर में 30 छात्रों द्वारा आत्महत्या करना दुखद है। इस घटनाक्रम ने छात्रों और उनके परिवारों के बीच भारी मानसिक तनाव और आक्रोश पैदा कर दिया है।

इन सभी मामलों में छात्र परीक्षा रद्द होने और भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण वह अत्यधिक तनाव में थे, जिसके कारण उन्होंने यह कदम उठाया और इस सबके लिए जिम्मेदार केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं।

लाठी खा रहे हैं युवा

आप नेताओं के कहा कि दिल्ली के जंतर मंतर में पिछले 50 दिनों से युवा आंदोलन कर रहे हैं और पुलिस की लाठी डंडे खा रहे हैं, लेकिन उसके बावजूद यह सरकार सोई हुई है। मोदी सरकार देश के युवाओं का भविष्य खराब कर रही है। आम आदमी पार्टी ने मांग करते हुए कहा, केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा दें, सरकार बच्चों के परिवार को मुआवजा दे। कैंडल मार्च में आम आदमी पार्टी की ओर से सूरज उपाध्याय, विजय झा, नंदन सिंह, अनुषा जोसेफ, मंजू गलपत, स्वाति तिवारी, अनुराधा शुक्ला, मिहिर कुर्मी, परमानंद जांगड़े, विजय गुरुबक्शानी, इमरान खान आदि शामिल रहे।

शहर के गायत्री नगर सहित सभी श्री जगन्नाथ मंदिरों में 28 जून से ही आस्था का माहौल है। देव स्नान, एकांतवास और नयन दर्शन के बाद 16 जुलाई को निकाली गई रथयात्रा में भगवान मौसी रानी गुंडिचा के घर में नौ दिनों तक रहने के बाद बहुड़ा रथयात्रा स्वरूप शुक्रवार को निकले। इसके चलते भक्ति, उल्लास और आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हर किसी में प्रभु जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ का रस्सा खींचने की होड़ लगी रही। पारंपरिक वाद्यों के साथ नर्तक दल ने भी अवसर को यादगार बनाने का प्रयास किया।

बहुड़ा रथयात्रा : भक्ति, उल्लास और आस्था का रस्सा खींचने श्रद्धालुओं में मची होड़, श्रीधाम में भव्य स्वागत

शहर के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में पारंपरिक वाद्य एवं नर्तक दल ने निभाई परंपरा

रायपुर। श्री जगन्नाथ सेवा समिति गायत्री नगर के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु, बड़े भाई भगवान बलभद्र एवं बहन देवी सुभद्रा की बहुड़ा रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इससे अद्भुत वातावरण निर्मित हुआ, इसमें एक तरफ जगन्नाथ के श्रीधाम वापसी का उत्साह चरम पर था। वहीं दूसरी तरफ जयघोष करते हुए रथ का रस्सा खींचने वालों का समुह देखने हजारों की तादादा में लोग पहुंचे। नौ दिवसीय प्रवास के बाद भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु मौसी घर गुंडिचा मंदिर से आकर्षक रथ पर सवार होकर अपने श्रीधाम पहुंचे। इस दिव्य रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर स्वयं को धन्य माना तथा संपूर्ण मार्ग जय जगन्नाथ की गूंज रही। गगनभेदी जयघोष, भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना। लोगों ने इस अवसर को याद रखने के लिए वीडियो भी बनाया।

महाआरती, भजन-कीर्तन और महाप्रसाद अर्पित

गुंड़िचा मंदिर में दोपहर तीन बजे शुरू हुई बहुड़ा यात्रा में भगवान बलभद्र तालध्वज रथ, देवी सुभद्रा देवदलन रथ तथा श्री जगन्नाथ प्रभु नंदीघोष रथ पर विराजमान होकर नगरवासियों को दर्शन देते हुए श्रीधाम की ओर रवाना हुए। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, आरती एवं स्वागत करते प्रभु का अभिनंदन किया। इसके चलते संपूर्ण वातावरण भक्ति, आस्था और उत्साह से सराबोर रहा। मौसी के घर में नौ दिनों के प्रवास में प्रतिदिन विशेष पूजा-अर्चना, महाआरती, भजन-कीर्तन, छप्पन भोग एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भी दर्शन करते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। मंदिर परिसर में सुबह से देर रात तक भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। संपूर्ण क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा एवं भक्तिरस से ओतप्रोत रहा।

आज इन मंदिरों में मनेगा बहुड़ा उत्सव

पुरानी बस्ती और सदरबाजार क्षेत्र में शनिवार को भक्तिमय वातावरण बनने वाला है। शाम को 6 से रात 8 बजे के बीच अलग-अलग तीन क्षेत्र से भगवान की बहुड़ा रथयात्रा निकलेगी। इसमें टूरीहटरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के लिए लाखेनगर और लिली चौक से निकलने वाली दिव्य यात्रा की भेंट पारंपरिक तरीके से लाखेनगर चौक पर होगी। जहां भेंट स्वरूप सामग्री अर्पित करने के बाद रथ श्रीधाम की ओर रवाना होंगे। यह जानकारी पं. संजय जोशी और पं. तिलक दास ने दी। मोहित पुजारी ने बताया कि एमजी रोड स्थित मौसी के घर से भगवान शाम 7 बजे पूजा, आरती के बाद रवाना होंगे। वहीं रविवार को भगवान अपने निज धाम में दर्शन देंगे।

विस अध्यक्ष सहित प्रतिनिधियों ने किया पूजन

इस रथयात्रा के सफल और भव्य बनाने के लिए समिति द्वारा रथमार्ग को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, सुरक्षा, यातायात नियंत्रण के लिए वॉलंटियर्स भी लगाए, जिससे संपूर्ण आयोजन अनुशासित, व्यवस्थित संपन्न हो सके। इसमें विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े प्रमुख रूप से शामिल हुए। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, भाजपा के शहर जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, पं. सदन तिवारी, महिला एवं बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने भी भगवान से आशीर्वाद लिया।

सिटी लाइव

स्वस्थ समाज के लिए स्तनपान और संतुलित आहार पर जागरूकता जरूरी

रायपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह के पूर्व यूनिसेफ ने गुरुवार को रायपुर के होटल सयाजी में विश्व स्तनपान सप्ताह एवं स्वस्थ आहार विषय पर कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में स्तनपान, स्वस्थ आहार तथा वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग के माध्यम से समाज में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। यूनिसेफ के कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट अनिल गुलाटी ने कहा कि मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी वाहक है। तथ्यपरक और वैज्ञानिक जानकारी पर आधारित रिपोर्टिंग भ्रांतियों को दूर करने के साथ परिवारों को स्वस्थ व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।यूनिसेफ की न्यूट्रिशन स्पेशलिस्ट डॉ. अपर्णा देशपांडे ने कहा कि मां का दूध शिशु का संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार है, जो जीवन के पहले छह माह तक उसकी सभी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि सफल स्तनपान केवल मां की नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने आईएमएस अधिनियम, 1992 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कानून स्तनपान को संरक्षण और प्रोत्साहन देने के लिए बनाया गया है।

जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास जारी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के उप संचालक (बाल स्वास्थ्य) डॉ. बीआर भगत ने कहा कि राज्य सरकार विशेषकर ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में स्तनपान, पोषण और बाल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और एएनएम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आस्था सिंह, कंसल्टेंट (एडवोकेसी फॉर हेल्दी डाइट्स) ने ताजा, घर का बना और स्थानीय खाद्य पदार्थों को सर्वोत्तम विकल्प बताते हुए जंक फूड तथा अत्यधिक प्रसंस्कृत पैकेज्ड खाद्य पदार्थों से सावधानी बरतने और खाद्य उत्पादों के न्यूट्रिशन लेबल पढ़ने की सलाह दी। कार्यशाला में स्तनपान, पूरक आहार, मातृ पोषण और पोषण संबंधी भ्रांतियों पर विशेषज्ञों एवं पत्रकारों के बीच संवाद हुआ। यूनिसेफ ने कहा कि मातृ एवं शिशु पोषण में सुधार सरकार, स्वास्थ्यकर्मियों, समुदाय, परिवार और मीडिया के साझा प्रयासों से ही संभव है। 1 से 7 अगस्त तक मनाए जाने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह के पूर्व आयोजित इस कार्यशाला में स्तनपान और स्वस्थ आहार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

इवेंट लाइव

ब्लू ड्रेस थीम में सज-धजकर किया प्री-सावन सेलिब्रेशन

रायपुर। सावन शुरू होने से पहले ही शुक्रवार को दशमेश सेवा सोसायटी लेडीज विंग द्वारा डीएसएस गार्डन में प्री-सावन सेलिब्रेशन के लिए समारोह में बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ महिलाएं शामिल हुई। कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने ब्लू ड्रेस थीम में भाग लेकर सावन के उल्लास का आनंद लिया। इस साल भी प्री-सावन सेलिब्रेशन को यादगार बनाने के लिए भव्य तैयारी की गई थी। समारोह में मनोरंजक खेल, म्यूजिकल चेयर रेस का आयोजन किया। इसमें महिलाओं का उत्साह भी देखने लायक था। अपने मेंबर्स को जिताने के लिए सभी हथकंडे अपनाए। एक्टिविटीज, सरप्राइज गिफ्ट्स तथा हंसी-खुशी से भरपूर आयोजन को सफल बनाने का सभी ने प्रयास भी किया।

सभी मेंबर्स की मदद से किया सफल आयोजन

महिला विंग द्वारा किए गए इस समारोह में सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए पहले से तय गेम्स में सभी ने उत्साह से भाग लिया। इस सफल आयोजन में हरमीत कौर, हरशरण कौर, जसबीर कौर, नीतू होरा, बलविंदर कौर, रंजीत कौर तथा कंवलजीत कौर का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा। सभी सदस्यों की मेहनत और टीमवर्क की बदौलत सफल रहा। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग गेम्स के लिए टीम तय की गई थी, ताकि क्रम से प्रतिभागियों को जोर-आजमाइश का अवसर मिले। प्रतियोगिता के बाद सभी महिलाओं ने विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया। साथ ही आगामी आयोजन की रूपरेखा भी तय की गई।

सावन महोत्सव : सावन की फुहार-सास बहू का प्यार

रायपुर। सामाजिक संस्था सुहिणी सोच द्वारा सावन माह के पावन अवसर पर क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 31 जुलाई को शाम 4 बजे से विमतारा हॉल न्यू शांति नगर में रखा गया है। कार्यक्रम की थीम सावन की फुहार-सास बहू का प्यार है। संस्था की मीडिया प्रभारी ज्योति बुधवानी एवं रेखा पंजवानी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सास-बहू के रिश्ते में प्रेम, सम्मान, विश्वास और आपसी सामंजस्य को और अधिक सशक्त बनाना है। इस अवसर पर सास-बहू रैम्प शो, टैलेंट राउंड, टॉक शो एवं भव्य तंबोला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों के लिए ढेर सारे आकर्षक उपहार रखे गए हैं। कार्यक्रम में बेस्ट सास-बहू जोड़ी, फर्स्ट रनरअप जोड़ी, सेकंड रनरअप जोड़ी, मोस्ट एनर्जेटिक जोड़ी, बेस्ट ट्रेडिशनल ड्रेसअप जोड़ी, बेस्ट सावन जोड़ी, बेस्ट टैलेंटेड जोड़ी, बेस्ट ज्वेलरी अवॉर्ड, बेस्ट एवरग्रीन जोड़ी एवं न्यू जर्नी अवॉर्ड सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जोड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति के रूप में सुहिणी सोच के मेंटर सीए चेतन तारवानी सास-बहू के रिश्ते पर अपने प्रेरणादायी विचार साझा करेंगे, जो उपस्थित सभी परिवारों के लिए मार्गदर्शन एवं प्रेरणास्त्रोत बनेंगे।

पाइथन प्रोग्रामिंग-वैज्ञानिक कंप्यूटिंग और ड्रोन प्रौद्योगिकी पर विशेषज्ञों ने साझा किया आइडिया

रासपुर। एनआईटी में ऑनलाइन कार्यशाला नेक्स्ट जेनरेशन ट्रेंड्स इन एआई एंड साइंटिफिक कंप्यूटिंग विद हैंड्स-ऑन यूजिंग पाइथन का आयोजन हुआ। इस पांच दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। यह आयोजन संस्थान के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह की शुरुआत समन्वयक डॉ. अनीता मुर्मू के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए नवाचार, वैज्ञानिक कंप्यूटिंग और आजीवन सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद कार्यशाला समन्वयक डॉ. सोनल यादव ने कार्यशाला की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में देशभर से लगभग 60 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पांच दिनों तक आयोजित विभिन्न सत्रों में पाइथन प्रोग्रामिंग, वैज्ञानिक कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हार्डवेयर तथा ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। मुख्य अतिथि एवं एनआईटी के निदेशक प्रो. एनवी रमना राव ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग के बढ़ते महत्व पर बल देते हुए प्रतिभागियों को उभरती तकनीकों एवं शोध के नए अवसरों की निरंतर खोज करने के लिए प्रेरित किया। एनआईटी के सतत शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. सुभोजित घोष ने प्रतिभागियों से रचनात्मक सुझाव देने का आग्रह किया तथा भविष्य में संस्थान के साथ शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों में सहयोग के लिए आमंत्रित किया।

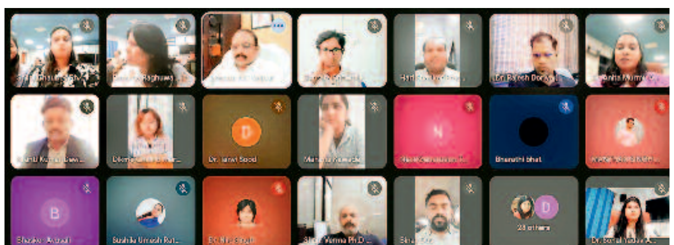

इंजीनियरिंग एवं शोध संबंधी चुनौतियों पर मंथन

विशिष्ट आमंत्रित अतिथि डॉ. शीतला प्रसाद आईआईटी गोवा ने सैद्धांतिक ज्ञान और पाइथन आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रभावी समन्वय की सराहना की। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने ज्ञान का उपयोग वास्तविक इंजीनियरिंग एवं शोध संबंधी चुनौतियों के समाधान में करते हुए 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। फीडबैक सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने कार्यशाला की सुव्यवस्थित विषयवस्तु, विशेषज्ञ वक्ताओं तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग के प्रति उनकी समझ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

छात्र परिषद शपथ ग्रहण, विद्यार्थियों को दिया नेतृत्व और उत्तरदायित्व का संदेश

रायपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवेंद्र नगर में शुक्रवार को छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के व्यवस्थापक संजय जोशी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्ष डॉ. अशोक त्रिपाठी ने छात्र परिषद की महत्ता बताते हुए कुशल नेतृत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर के डायरेक्टर डॉ. संजीव पराशर ने विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन, उत्तरदायित्व और सेवाभावना का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि छात्र परिषद विद्यालय की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या भारती, छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री डॉ. देवनारायण ने की। विशिष्ट अतिथि प्रियंका अग्रवाल ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह में नवनिर्वाचित छात्र परिषद पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सरस्वती शिक्षा संस्थान, विद्यालय समिति के पदाधिकारी, आचार्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एकेडमिक लीडर्स के लिए एक दिवसीय इनर मास्टरी रिट्रीट आयोजित

आप ही सबसे शक्तिशाली ऑपरेटिंग सिस्टम, इसलिए खुद को अपग्रेड करें, फैकल्टी ने सीखा तनाव से स्थिरता तक का सफर

कार्नर न्यूज

रायपुर। भागदौड़, टारगेट, पेपर और प्रेशर के बीच शिक्षक भी इंसान है। उनकी मानसिक शांति के बिना क्लासरूम में ऊर्जा नहीं आ सकती। इसी सोच के साथ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और ब्रह्माकुमारीज़ ने संयुक्त रूप से आईआईटी परिसर में फैकल्टी सदस्यों और एकेडमिक लीडर्स के लिए एक दिवसीय इनर मास्टरी रिट्रीट आयोजित किया। यह रिट्रीट का आयोजन शिक्षकों के मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास के जरिए उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने के लिए किया गया था। साथ ही आंतरिक ऑपरेटिंग सिस्टम को अपग्रेड करना ही इस शिविर की थीम रही।

आध्यात्मिकता से ही आता है असली संतुलन

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने कहा कि पेशेवर जिम्मेदारियां निभाते हुए आंतरिक शक्ति, संतुलन और आत्म-नियंत्रण बनाए रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि धन कमाना और पेशेवर उत्कृष्टता जरूरी है, लेकिन सच्चा संतुलन खुद को जानने से ही मिलता है। आध्यात्मिकता ही शिक्षक को स्थिर रखती है।

अदृश्य पाठ्यक्रम से छात्रों पर असर

बीके बाला किशोर का दूसरा सत्र अदृश्य पाठ्यक्रम पर रहा। उन्होंने बताया कि शिक्षक सिर्फ सिलेबस नहीं पढ़ाते। उनकी सकारात्मक ऊर्जा, मूल्य और आंतरिक शक्ति छात्रों पर सीधा असर डालती है। शिक्षक अपनी सकारात्मक ऊर्जा, मूल्यों और आंतरिक शक्ति का संचार करके शिक्षा के दायरे से बाहर भी छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव से रोल मॉडल बनकर बदलाव ला सकते हैं। समापन सत्र के दौरान, ब्रह्मा कुमारी प्राची ने सभी खास मेहमानों, वक्ताओं, फैकल्टी सदस्यों और प्रतिभागियों का उनके उत्साहपूर्ण सहयोग और भागीदारी के लिए दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी को एक नया नज़रिया अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और मूल्यों पर आधारित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान और आंतरिक उत्कृष्टता से भरी एक नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

आत्म जागरूकता से अपने विचारों को करें अपडेट

सत्र उद्घाटन के बाद बीके बाला किशोर ने सबसे शक्तिशाली ऑपरेटिंग सिस्टम जिसे आपने कभी अपग्रेड किया है, वह आप स्वयं हैं विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि जैसे फोन कंप्यूटर को रेगुलर अपडेट चाहिए, वैसे ही इंसान को भी सकारात्मक मूल्य और आत्म-जागरूकता से अपने विचार, भावनाएं और निर्णय क्षमता को अपग्रेड करना चाहिए। प्रैक्टिकल डेमो और चिंतन के जरिए उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी आंतरिक सीमाओं को सद्गुणों में बदलने का मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर डॉ मोहित गुप्ता ने आप अपनी किस्मत खुद बनाते हैं विषय पर ज्ञानवर्धक सत्र लिया। उन्होंने कहा कि व्यस्तता के बीच परिवार और खुद के लिए समय निकालना जरूरी है। ध्यान, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन, टाइम मैनेजमेंट और आत्म-अनुशासन से शांतिपूर्ण, स्वस्थ और तनाव-मुक्त जीवन जिया जा सकता है। उन्होंने व्यावहारिक टिप्स भी साझा किए।

कैंपस लाइव

स्कूली बच्चों को दी सीपीआर की ट्रेनिंग 180 विद्यार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

रायपुर। गुढ़ियारी स्थित न्यू सनराइज हायर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को अग्रवाल हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और एम्स रायपुर के सहयोग से सीपीआर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 180 विद्यार्थियों को सीपीआर का महत्व बताया गया तथा आर्टिफिशियल पुतले पर इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। एम्स रायपुर की ओर से सीपीआर प्रोग्राम लीडर डॉ. जयश्री घाटे और प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर आर्ची साहू ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण दिया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि किसी व्यक्ति की सांस और धड़कन रुकने की स्थिति में सीपीआर जीवन बचाने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। ऐसे समय में प्रत्येक सेकंड अहम होता है, इसलिए आम लोगों को भी इसकी जानकारी होना आवश्यक है। अग्रवाल हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि सीपीआर प्रशिक्षण अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। संगठन की ओर से अध्यक्ष डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, सचिव डॉ. निरमेश अग्रवाल और डॉ. प्रदीप अग्रवाल उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में न्यू सनराइज हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंधन, स्टाफ और विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा। संगठन ने बताया कि इस प्रशिक्षण श्रृंखला के तहत प्रत्येक सप्ताह किसी न किसी विद्यालय में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा।

धर्म लाइव

सिद्धि विनायक स्थापना में रहा भक्तिमय वातावरण

रायपुर। युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र कॉलेज में शुक्रवार को भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ। यहां सिद्धि विनायक स्थापना दिवस महोत्सव पर यतिप्रवर दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद तीर्थ के आशीर्वाद से मोदक अर्चन, दूब अर्चन, भगवान सत्यनारायण की कथा एवं हवन-पूजन, आचार्य धर्मेंद्र महाराज के मार्गदर्शन में आचार्य महेंद्र एवं अभिनव महाराज ने संपन्न कराया। प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि कॉलेज के 31वें एवं विप्र पब्लिक स्कूल के 9वें स्थापना दिवस पर यह आयोजन किया गया। महोत्सव पर कॉलेज प्रांगण स्थित श्री गणेश मंदिर में प्रमुख आचार्य धर्मेंद्र महाराज के मार्गदर्शन में मोदक अर्चन, दूब अर्चन, कथा एवं हवन-पूजन का कार्यक्रम कराया गया। पूजन के बाद लोगों को प्रसाद वितरित किया गया।

शुभ अवसर मिले तो भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें

इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, नरेंद्र तिवारी, अविनाश शुक्ला, सुबीर तिवारी, उमाकांत शर्मा, आनंद पाण्डेय, नटराज शर्मा, प्रो. उषा दुबे, पद्मा ओझा, प्रकाश तिवारी ने इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। इसमें सभी संचालक, स्कूल और कॉलेज के प्राध्यापक और विद्यार्थी प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर दंड़ी स्वामी ने सभी लोगों को संबोधित करते हुए आशीर्वचन देते हुए कहा कि विशेष दिन मनाने का जब भी अवसर मिले तो परमात्मा को एक बार यह शुभ अवसर देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। पूजा-अर्चना की श्रृंखला सजने से सुबह मंत्रोच्चार की गूंज रही।

आराधना

गुरु पूर्णिमा पर महावतार बाबाजी स्मृति दिवस का विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम 26 जुलाई को

रायपुर। गुरु पूर्णिमा एवं महावतार बाबाजी स्मृति दिवस के अवसर पर योगदा सत्संग ध्यान मंडली द्वारा 26 जुलाई को सुबह 9.30 बजे से लास विस्टा, अमलीडीह स्थित क्लब हाउस में विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा, ध्यान और क्रिया योग की महत्ता पर विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियां होंगी। आयोजकों के अनुसार महावतार बाबाजी को क्रिया योग परंपरा के महान हिमालयवासी गुरु के रूप में जाना जाता है। उनके जीवन और शिक्षाओं की जानकारी परमहंस योगानंद की पुस्तक 'योगी कथामृत' के माध्यम से विश्वभर में पहुंची। योगदा सत्संग परंपरा के अनुसार 25 जुलाई 1920 को महावतार बाबाजी ने परमहंस योगानंद को दर्शन देकर क्रिया योग के वैश्विक प्रसार के उनके उद्देश्य की पुष्टि की थी। इसी स्मृति में प्रतिवर्ष बाबाजी स्मृति दिवस मनाया जाता है।

विशेष वाचन, भजन-कीर्तन तथा रामधुन का आयोजन

कार्यक्रम में कॉस्मिक चैंट, ध्यान, गुरु-शिष्य परंपरा पर पाठ, योगी कथामृत से बाबाजी स्मृति दिवस पर विशेष वाचन, भजन-कीर्तन, रामधुन तथा अन्य आध्यात्मिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके बाद प्रसाद वितरण और योगदा सत्संग की आध्यात्मिक पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजकों ने बताया कि क्रिया योग एवं ध्यान के विषय में जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक लोगों को कार्यक्रम में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। इच्छुक श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

● बैद्यनाथ धाम, भोरमदेव, सोमनाथ और हाटकेश्वर महादेव के लिए पैदल एवं वाहनों से निकलेगा कांवड़ियों का जत्था

कांवड़ यात्रा को लेकर शिवभक्तों में बढ़ा उत्साह, 30 से सावन का आगाज, तैयारी में जुटीं बोल बम समितियां

"अगले सप्ताह से सावन का पावन महीना शुरू होने जा रहा है। सावन में शिवभक्त कांवड़ यात्रा को लेकर उत्साहित हैं। शहर की बोल बम समितियां अपने-अपने स्तर पर कांवड़ यात्रा की तैयारी में जुट गई हैं। इसमें गुढ़ियारी कांवड़ यात्रा समिति, महादेवघाट रायपुरा बोल बम समिति, कांवड़ यात्रा समिति बोरियाखुर्द, शंकर नगर शिव शक्ति कांवड़ यात्रा समिति सहित दर्जनों कांवड़ यात्रा आयोजक समितियां यात्रा की रूपरेखा तय कर रही हैं।

इन शिवधामों के लिए रवाना होगा कांवड़ियों का जत्था

शहर से शिवभक्तों व समितियों के सदस्यों का कांवड़ यात्रा जत्था नदियों का पवित्र जल लेकर श्री बैद्यनाथ धाम, भोरमदेव, सोमनाथ और हाटकेश्वर महादेव के लिए पैदल व परिवहन के माध्यम से रवाना होगा। इस दौरान कांवड़ यात्रा जत्था के सदस्य जीवंत झांकियां, ढोल-नगाड़े, डीजे, ताशा तथा विशेष रूप से सुसज्जित वाहनों को रथ के रूप में सजाकर रवाना होंगे।

11 अगस्त को शिवालयों में जलाभिषेक

कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त को भगवान शिव के जलाभिषेक पर खत्म होगी। सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। कई स्थानों पर कांवड़ियों के लिए भोजन, फल व आराम करने की सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। सावन के साथ ही क्षेत्र में भक्ति, आस्था और उत्साह का वातावरण बनने लगा है। आने वाले दिनों में लाखों श्रद्धालु बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ अपनी धार्मिक यात्रा पर निकलेंगे।

रायपुर। समितियों के सदस्यों ने बताया कि इस साल कांवड़ यात्रा को और अधिक आकर्षक एवं भव्य बनाने के लिए जीवंत झांकियां, ढोल-नगाड़े, डीजे, ताशा तथा विशेष रूप से सुसज्जित शिवरथ की व्यवस्था की गई है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। ताकि कांवड़िया शिव भक्ति में झूमते-गाते शिवधाम के लिए रवाना हो सकें। समितियों के पदाधिकारी शिवधामों की दूरी और सदस्यों के संख्या के आधार पर कांवड़ यात्रा की रूपरेखा तय कर रहे हैं। कांवड़ यात्रा आयोजक समितियों का जत्था राज्य व दूसरे राज्य के प्रसिद्ध शिवधामों के लिए नदियों का पवित्र जल लेकर कांवड़ यात्रा पर निकलेगा। कांवड़ यात्रा के दौरान पदयात्रा, परिवहन, पड़ाव और समयावधि की विस्तृत कार्ययोजना बनाकर भक्त शिवधामों के लिए बोल बम के जयकारे के साथ प्रस्थान करेंगे। सावन का महीना शुरू होते ही कांवड़ यात्रा, दर्शन और जलाभिषेक को लेकर शिवभक्त शिवभक्ति के रंग में सराबोर होते हैं।

गुढ़ियारी से बाजे-गाजे के साथ निकलेगी कांवड़ यात्रा

गुढ़ियारी कांवड़ यात्रा आयोजक समिति के सदस्य निखिल सिन्हा ने बताया कि हर साल सावन की पावन महीने में भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस साल भी भव्य व आकर्षक कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। कांवड़ यात्रा को भक्तिमय बनाने समिति अंतिम रूप दे रही है। गुढ़ियारी से सैकड़ों की संख्या में शिवभक्त नदियों का पवित्र जल लेकर हाटकेश्वर महादेव के दर्शन व जलाभिषेक करने महादेवघाट के लिए कांवड़ यात्रा करते हैं।

जगह-जगह भंडारा, सेवा शिविरों की व्यवस्था भी

बोल बम सेवा समिति युवा मंडल महादेवघाट के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन में हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचने वाले व महादेवघाट से गुजरने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए रास्ते पर जगह-जगह विश्राम पंडाल, प्रसादी भंडारा की व्यवस्था की जाएगी। शिवभक्तों की सेवा करना भी एक पुण्य है। इसी उद्देश्य से हर साल सावन के पावन महीने में कांवड़ियों की सेवा के लिए कांवड़ यात्रा के दौरान बोल बम सेवा समिति युवा मंडल महादेवघाट तत्परता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में लगता है। शिवभक्तों की सेवा के लिए सेवा समिति प्रसादी-भंडारा, पंडाल आदि के इंतजाम में जुटी हुई है।

17 जैन साधु-साध्वियों का नगर प्रवेश 27 जुलाई से शुरू चातुर्मास का आगाज

रायपुर। सुप्रसिद्ध आचार्य श्रीमद विजय योगतिलक सूरीश्वरजी महाराजा के सुशिष्य मुनिराज शांततिलक विजयजी आदिठाणा 8 साधु भगवंत एवं ज्ञानदर्शिता श्रीजी आदिठाणा 9 साध्वी भगवत पहली बार छत्तीसगढ़ पधारे हैं। लगभग 100 दिनों में 1200 किमी से अधिक पैदल विहार करते हुए साधु-साध्वियों ने शुक्रवार 24 जुलाई को श्री कैवल्यधाम तीर्थ कुम्हारी से प्रातः 5 बजे रायपुर नगर प्रवेश किया। उनका आगमन सदर बाजार स्थित श्री ऋषभदेव मंदिर में हुआ, जहां मंदिर दर्शन के बाद पूज्यश्री के प्रवचन शुरू होंगे।

श्री शांति कल्याण चातुर्मास संघ के अध्यक्ष मल्लीचंद बैद ने बताया कि 27 जुलाई को गुरु भगवंतों का चातुर्मास प्रवेश आम्रपाली स्थित अभिनंदन स्वामी मंदिर परिसर में होगा। भव्य वरघोड़ा श्री समरथ भवन से सुबह 8 बजे निकलेगा। प्रवेश के बाद श्री शांति कल्याण चातुर्मास संघ द्वारा निर्मित श्राविका उपाश्रय का संघार्पण भवन के मुख्य लाभार्थी लोकचंद मुणोत एवं रजनीकांता देवी मुणोत करेंगे। इसके बाद गुरुपूजन, मांगलिक प्रवचन, स्वागत कार्यक्रम और स्वामी वात्सल्य होगा। समिति के सचिव अनिल बरड़िया ने बताया कि 31 जुलाई से नियमित रूप से श्री तत्वार्थ सूत्र पर स्वाध्याय एवं श्री धन्य कुमार चरित्र पर दैनिक प्रवचनमाला होगी। दोपहर में बहनों की वाचना, शाम को बच्चों की धार्मिक पाठशाला तथा रात्रि में पुरुषों की धर्मचर्चा एवं रविवारिय अध्यात्मशाला आयोजित होगी। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. मितेश बांठिया ने बताया कि 2 अगस्त से श्री तीर्थंकर वर्धमान तप प्रारंभ होगा। सभी नगरवासियों को कार्यक्रमों में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया।

जैन भाई-बहनों को दी बीपी और शुगर टेस्टिंग मशीन

जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा इस साल भी जीवदया, मानव कल्याण और साधर्मिक भक्ति का चातुर्मास मनाएगा। महेंद्र कोचर और विजय चोपड़ा ने बताया कि जीयो और जीने दो का भगवान महावीर स्वामी ने मूलमंत्र विश्व को दिया है। चातुर्मास काल में दया, करुणा, अहिंसा, भाईचारा के गुणों का जीवन में विकास होना चाहिए। जैन संवेदना ट्रस्ट ने साधर्मिक भक्ति जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय किया है। ट्रस्ट का मत है कि देशभर में चातुर्मास में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से अनुमानित 2000 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। जैन संवेदना ट्रस्ट चातुर्मास समितियों से पत्र लिखकर आग्रह करेगा कि इस खर्च में 10 प्रतिशत की कटौती करते हुए बचे राशि का साधर्मिक भाई-बहनों के व्यवसायिक और सामाजिक उत्थान पर खर्च करने में सहयोग करें। इससे जैन भाई- बहनों को आर्थिक मदद कर सकेंगे। ट्रस्ट ने इसके लिए समर्थवान जैन बंधुओं को सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। चातुर्मास में मूक पशु-पक्षियों की सेवा, मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यंत्र, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, बैसाखी, बीपी नापने की मशीन, शुगर टेस्टिंग मशीन का निशुल्क वितरण भी किया। मानव कल्याण में साधर्मिक भाई-बहनों के स्वावलंबी जीवन, व्यवसायिक उत्थान और विवाह योजना पर काम करने का निर्णय लिया है।

रोटरी क्लब के शिविर में 30 गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मो दीवाज द्वारा मां यशोदा अस्पताल में मातृ स्वास्थ्य पहल के तहत एनीमिया जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। रोटेरियन डॉ. रुचि रूपरेला की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में 30 गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन (एचबी) जांच की गई तथा उन्हें पोषण किट वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन नेहा जैन एवं सचिव रोटेरियन शिल्पा चोपड़ा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर के दौरान डॉ. रुचि रूपरेला ने गर्भावस्था में एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव और समय पर उपचार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को संतुलित आहार लेने, आयरन युक्त भोजन का सेवन करने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी।

स्वच्छता सामग्री से युक्त पोषण किट दिए

शिविर में सभी गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच के बाद उन्हें आवश्यक पोषण एवं स्वच्छता सामग्री से युक्त पोषण किट प्रदान की गई। इसके साथ ही स्थानीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी किट वितरित की गई, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों की अन्य गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य जागरूकता और सहायता का संदेश पहुंचा सकें। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मो दीवाज़ ने इस आयोजन के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, सुरक्षित गर्भावस्था सुनिश्चित करने तथा सामुदायिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इलेक्ट्रॉनिक गेम्स से बच्चों को दूर रखने और टीचर्स, पैरेंट्स के साथ समय बिताने का शानदार तरीका

बच्चों की तर्कशक्ति, एकाग्रता बढ़ाने सांप-सीढ़ी लूडो, शतरंज और पजल्स से जोड़ रहे टीचर्स

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के स्कूलों, आंगनबाड़ियों, बालवाड़ियों में नर्सरी से लेकर प्राथमिक कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों को पारंपरिक खेलों से जोड़ा जा रहा है। इसमें सांप-सीढ़ी, लूडो, शतरंज, पजल्स गेम्स शामिल हैं, जो तर्कशक्ति, एकाग्रता व धैर्य, रचनात्मकता विकसित करने में मददगार साबित हो रहे हैं। अमलीडीह प्राथमिक शाला के प्राचार्य आनंद मसीह ने बताया कि प्राथमिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को खेलकूद में भी भाग लेना आवश्यक है। इसके मद्देनजर स्कूल में बच्चों को पारंपरिक व तर्कशील खेलों से जोड़ा जा रहा है। इसमें सांप-सीढ़ी, लूडो और शतरंज जैसे पारंपरिक खेल शामिल हैं। इससे स्कूली बच्चों में रचनात्मकता और कल्पनाशीलता को कई तरह से बढ़ावा मिल रहा है। ये खेल बच्चों को रणनीतिक रूप से सोचने और समस्याओं को हल करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कल्पना और कहानी गढ़ रहे

बच्चे अक्सर खेल के दौरान अपनी कहानियां और परिदृश्य बनाते हैं, जिससे उनकी कल्पनाशक्ति बढ़ती है। सामाजिक कौशल इन खेलों को खेलने से बच्चे दूसरों के साथ बातचीत करना, नियमों का पालन करना, भावनात्मक विकास, हार-जीत को स्वीकार करना और धैर्य रखना सीख रहे हैं। यह सच है कि स्कूल, परिवार और शिक्षक लूडो और सांप-सीढ़ी जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन खेलों से बच्चों में सामाजिक मेलजोल, रणनीति बनाने की क्षमता और संख्यात्मक कौशल विकसित होते हैं।

मोबाइल गेम्स गैजेट्स एडिक्शन से बचाने में सहायक

पारंपरिक खेल आज के स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक खेल, गैजेट्स से बच्चों को दूर रखने और परिवार के साथ समय बिताने का एक शानदार तरीका भी है। बच्चों के पैरेंट्स, टीचर्स सभी इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि जितने भी मोबाइल व दूसरे इलेक्ट्रॉनिक्स गेम्स वाले गैजेट्स हैं, वे बच्चों में रचनात्मकता को विकास तो कर रहे हैं, पर उनसे बच्चों के मन-मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जबकि सांप-सीढ़ी, लूडो, शतरंज, पजल्स गेम्स शारीरिक व मानसिक हर प्रकार से लाभकारी हैं।

खेल-खेल में सीख रहे पढ़ना-लिखना

बालवाड़ी स्कूल भाठागांव की प्रभारी शिक्षिका आरती ठाकुर ने बताया कि बालवाड़ी केंद्र में बच्चों के मानसिक, शारीरिक, व्यावहारिक विकास के लिए म्यूजिकल कैक्टस, पजल्स गेम, वाटर गेम, डॉल्स आदि खिलौनों के साथ खेल-खेल में गिनती, अक्षर को पहचानने, लिखने, बोलने, ड्राइंग से चित्रकारी करने, बोलकर व डांस करके कविता पढ़ना सिखाया रहा है। साथ ही प्रार्थना, देशभक्ति गीतों के माध्यम से व्यावहारिक विकास किया जा रहा है। बालवाड़ी केंद्र में बच्चों के मानसिक, शारीरिक विकास के लिए म्यूजिकल कैक्टस, पजल्स गेम, वाटर गेम भी खिलाए जा रहे हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

सी बी एस ई जोनल बॉक्सिंग में ऋषभ ने जीता कॉंस्य

रायपुर। भुवनेश्वर, ओड़िशा के के आई आई टी इंटरनेशनल स्कूल की ओर से सी बी एस ई ईस्ट जोन बॉक्सिंग बालक/बालिका प्रतियोगिता 21 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में एम जी एम विद्यालय के ऋषभ शुक्ला ने 17 वर्ष आयु वर्ग में 52-54 किलोग्राम में कॉंस्य पदक हासिल किया।

ऋषभ ने अपने क्वाटर फाइनल मुकाबले में महर्षि स्कूल, बिलासपुर के शिवम् भास्कर को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई पर, सेमीफाइनल उसका मुकाबला पार्थ प्रीतम, असम गुवाहटी से हुआ जिससे हारकर उसे कॉंस्य पदक से संतोष करना पड़ा। ऋषभ की इस सफलता एम जी एम स्कूल के शाला प्रबंधन के उपाध्यक्ष फादर जोस मेथ्यु एवं प्राचार्या डॉ लीना जेकब ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिया।

निशानेबाजी में शरद को कांस्य पदक

कुम्हारी। छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 25 वीं राइफल पिस्टल निशानेबाजी प्रतियोगिता में शरद कुमार सिंह ने मास्टर कैटेगरी में कांस्य पदक जीत कर शहर का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया है। पदक के साथ वे ईस्ट जोन और जी वी मावलंकर ट्रॉफी के लिए भी क्वालीफाई हुए हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच नीरज सायमन और साथी प्रवेश चड्ढा, संकेत सैमुअल, स्वप्निल ऋषि, कपूर साहू, विनीत सिंह चंदेल, आकाश श्राफ, अहमद चिश्ती, अनिल कुमार, हेमंत शर्मा, युवराज सिंह, प्रद्युम्न सिंह बल्ला को दिया है।

एशियन कबड्डी लीग में छत्तीसगढ़ से तीन खिलाड़ी

रायपुर। साउथ ईस्ट एशिया कबड्डी फेडरेशन के अंतर्गत एकेएफआई के तत्वावधान में एशियन कबड्डी लीग चैंपियनशिप वीमेन चैप्टर वन 1 से 16 अगस्त तक ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स गुरुग्राम हरियाणा में आयोजित की जा रही है।

इस स्पर्धा हेतु छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ियों का चयन किया गया है। जिनमें छाया कंवर, सरिता व राधिका यादव का नाम शामिल है। चयनित खिलाड़ियों को 26 जुलाई को इंडिया कैंप में शामिल होना है। छत्तीसगढ़ से मुकेश साहू को इस अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा हेतु कोच नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ एथलीट आयोग में सदस्यों की नियुक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ एथलीट आयोग में सदस्यों की नियुक्ति कर दी गई है। छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के एथलीट आयोग में चयन/नामांकन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के पात्र सेवानिवृत और सक्रिय कबड्डी खिलाड़ियों से आवेदन 18 जुलाई तक आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित तिथि में पुरुष और महिला वर्ग में प्राप्त आवेदन के आधार पर छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ एथलीट आयोग में पुरुष वर्ग से लीलाधर साहू रायपुर और महिला वर्ग से रमशिला दुग्गा राजनांदगांव की नियुक्ति की गई है।

आपकी सेहत का पैमाना है बीएमआई

आपका बीएमआई तो नहीं बजा रहा खतरे की घंटी, वक्त रहते हो जाएं सचेत नहीं तो जान पड़ जाएगी मुश्किल में

बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) ऐसा पैमाना है, जो बताता है कि किसी व्यक्ति का वजन उसकी लंबाई के अनुसार सामान्य है या नहीं? यदि किसी व्यक्ति का वजन 70 किलोग्राम और लंबाई 1.70 मीटर है, तो उसका बीएमआई लगभग 24.2 होगा।

अधिक वजन और मोटापे की समस्या सभी उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ती जा रही है। डॉक्टर सामान्य से अधिक वजन को बीमारियों का घर बताते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि मोटापा सिर्फ शरीर का आकार बिगाड़ता है, लेकिन सच इससे कहीं ज्यादा गंभीर है। इसके कारण हार्मोनल समस्याओं , इम्यून सिस्टम की दिक्कतों से लेकर डायबिटीज-हार्ट और कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है। क्या आप भी वजन जांचने के लिए वेट मशीन का इस्तेमाल करते हैं? पर क्या आप जानते हैं कि डॉक्टर केवल वजन देखकर किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य का आकलन नहीं करते। इसके लिए बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) पर ध्यान दिया जाता है। किसी व्यक्ति के वजन और उसकी लंबाई के आधार पर बीएमआई का पता लगाया जाता है। जब बीएमआई सामान्य सीमा से ऊपर चला जाता है, तो इसे सेहत के लिए खतरा माना जाता है।

कहीं आपका बीएमआई भी तो नहीं बढ़ा रहता है?

बॉडी मास इंडेक्स ऐसा पैमाना है, जो बताता है कि आपका वजन शरीर की लंबाई के अनुसार सामान्य है या नहीं? यदि किसी व्यक्ति का वजन 70 किलोग्राम और लंबाई 1.70 मीटर है, तो उसका बीएमआई लगभग 24.2 होगा। बीएमाई का पता लगाने के लिए अपने वजन (किलोग्राम) को अपनी ऊंचाई (मीटर) के वर्ग से भाग दें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 25 से अधिक बीएमआई वाले लोगों को सेहत को लेकर सावधान रहना चाहिए। 18.5 से कम- कम वजन। 18.5-24.9- सामान्य वजन। 25 29.9- अधिक वजन। 30 या उससे अधिक- मोटापा।

हाई बीएमआई से क्या दिक्कतें होती हैं?

डॉक्टर कहते हैं, हाई बीएमआई का मतलब अक्सर शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होना होता है। इससे रक्त वाहिकाओं और हृदय पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता है। पेट के आसपास जमा चर्बी शरीर में सूजन बढ़ाने वाले रसायन रिलीज करती है, जिससे धमनियों में प्लाक बनने, हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है। समय के साथ यह स्थिति कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। इसी तरह जब शरीर में अधिक फैट जमा हो जाता है, तो कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति भी कम संवेदनशील हो जाती हैं। इससे खून में शुगर का स्तर बढ़ने लगता है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा हो सकता है।

बीएआई ज्यादा होने से और क्या दिक्कतें होती हैं?

हाई बीएमआई वाले लोगों में नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज का खतरा भी ज्यादा होता है। यदि समय पर इसे कंट्रोल न किया जाए, तो लिवर में सूजन,

फाइब्रोसिस और सिरोसिस जैसी समस्याएं हो सकती है। कई वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि मोटापा कम से कम 13 प्रकार के कैंसर के बढ़े हुए जोखिम से जुड़ा है। शरीर में अतिरिक्त फैट लगातार सूजन पैदा करती है और इंसुलिन व कुछ हार्मोन का स्तर बढ़ा सकती है। इससे कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि की आशंका बढ़ जाती है।

बीएआई को कैसे कंट्रोल करें?

डॉक्टर बताते हैं, बीएमआई को सामान्य रखने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और सक्रिय जीवनशैली सबसे महत्वपूर्ण हैं। सप्ताह में कम से कम 150 मिनट व्यायाम करें। इसके अलावा भोजन में साबुत अनाज, दालें, फल-सब्जियां और प्रोटीन वाली चीजें शामिल करें। अच्छी नींद लें और तनाव को कंट्रोल रखें क्योंकि दोनों का असर वजन पर पड़ता है। यदि बीएआई लगातार बढ़ रहा है या 25-30 से ऊपर है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

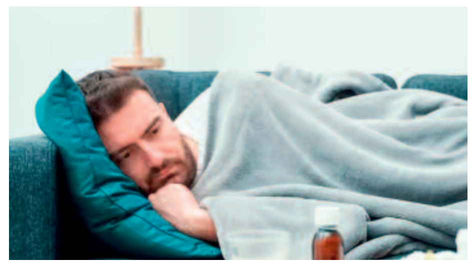

बारिश के मौसम में बीमारियों से बचे रहने के लिए डाइट में करें बदलाव

मानसून / बारिश का मौसम अधिकतर लोगों को पसंद होता है। साथ ही हरियाली के इस मौसम में बारिश के दौरान चाय और गर्म स्नैक्स पर भी अच्छों-अच्छों का जी ललचा जाता है। बरसात के मौसम में कीटाणु और वायरस अधिक एक्टिव हो जाते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में बीमारियों से बचाव के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के फूड हाइजीन/सेफ्टी टिप्स फॉलो करने की सलाह दी जाती है। इन टिप्स को फॉलो नहीं करने पर आप बीमार पड़ सकते हैं। साथ ही आपकी एनर्जी में भी कमी आ सकती है। बरसात में गलत खान-पान के कारण कई लोग बीमार पड़ जाते हैं। किसी भी प्रकार की बीमारी की चपेट में आने से बचने के लिए कुछ फूड का सेवन करना चाहिए, जो कि इन वायरस से लड़ने के लिए इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। ऐसे फूड्स के बारे में आपको जानना चाहिए, जिनके सेवन से बारिश के मौसम में किसी भी प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है।

फल : इस समय 'मानसूनी फलों' का सेवन किसी भी वायरस से बचाव में मदद करता है। साथ ही ये फल एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भी भरपूर होते हैं। इनके सेवन से शरीर को काफी फायदा होता है। बारिश में निम्न फलों का सेवन अधिक फायदेमंद होता है।

चेरी: इनमें एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो न केवल मस्तिष्क को आराम देते हैं बल्कि वायरस से भी लड़ते हैं।

जामुनः जामुन में कैलोरी काफी कम होती है। जबकि यह आयरन, फोलेट, पोटेशियम और विटामिन से भरपूर होता है, ये ऐसे पोषक तत्व हैं जिनकी शरीर को इस मौसम में अधिक आवश्यकता होती है।

लीची: ये विटामिन सी से भरपूर होती है, जिससे इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद मिलती है।

केलाः केला विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है। यह फाइबर में हाई होता है, जो कि पाचन क्रिया को अच्छा रखता है और संक्रमण से बचाता है।

सूप : सूप बनाने में आसान और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। सूप न केवल आपको वायरस से दूर रखता है बल्कि बारिश मौसम में आवश्यक हाइड्रेशन भी प्रदान करता है। बारिश के मौसम में ह्यूमिडिटी, निर्जलीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाती है। इसे रोकने के लिए पर्याप्त तरल पदार्थ पीना जरूरी है। डाइट एक्सपर्ट भी इस मौसम में लिक्विड पीने की सलाह देते हैं। आप चाहें तो वेजिटेबल सूप, चिकन सूप का सेवन कर सकते हैं।

मेथी और जीरा : बारिश या मानसून के मौसम में बीमारियों की चपेट में इसलिए आते हैं, क्योंकि मौसम बदलने के साथ इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। जैसे ही प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, शरीर का भोजन पचाना मुश्किल हो जाता है। पाचन तंत्र के सामान्य कामकाज को सही रखने के लिए और इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए मेथी और जीरे को भोजन में शामिल करने की सलाह दी जाती है।

हर्बल चाय : मानसून के दौरान सभी भारतीय घरों में मसाला चाय एक प्रमुख ड्रिंक हो सकती है। लेकिन इस मौसम में दूध का सेवन करना उतना अच्छा नहीं माना जाता है। दूध वाली मसाला चाय की बजाय अदरक या नींबू के साथ हर्बल चाय पीने से आप रोग मुक्त रहेंगे। चाय के विभिन्न स्वादों जैसे : तुलसी, कहवा, चमेली हर्बल चाय का सेवन करें, जो कि रोजाना आपको अलग-अलग तरह से स्वाद प्रदान करेगी।

हल्दी : हल्दी एक जादुई जड़ी बूटी है जो हर मौसम में आपके स्वास्थ्य के लिए अद्भुत काम करती है। मानसून सीजन में इसकी महत्वता अधिक बढ़ जाती है ।

गोल और मुलायम रोटी बनाने जानें जरूरी टिप्स

रोटी को मुलायम बनाने के लिए आटा न ज्यादा सख्त और न ज्यादा ढीला गूंधें। गूंधने के बाद 15-20 मिनट तक ढककर रखें, फिर हल्के हाथों से बेलें और सही गर्म तवे पर सेंकें। ये आसान तरीके रोटी को गोल, नरम और अच्छी तरह फूलने में मदद करते हैं।

भारतीय रसोई में रोटी सिर्फ एक भोजन नहीं, बल्कि हर घर की रोजमर्रा की जरूरत है। लेकिन कई लोगों, खासकर नए कुक्स की सबसे बड़ी परेशानी यही होती है कि रोटी न तो गोल बनती है और न ही मुलायम। कभी आटा ज्यादा सख्त गूंध जाता है, तो कभी बेलते समय रोटी का आकार बिगड़ जाता है। कई बार तवे पर डालने के बाद रोटी सख्त हो जाती है या फूलती ही नहीं। ऐसे में मेहनत के बावजूद रोटियां वैसी नहीं बन पातीं जैसी दादी-नानी या मां के हाथों की होती हैं।

अच्छी बात यह है कि मुलायम और गोल रोटी बनाने के लिए किसी खास मशीन या महंगे उपकरण की जरूरत नहीं होती। बस आटा गूंधने का सही तरीका, थोड़ा धैर्य और कुछ आसान किचन ट्रिक्स अपनाने की जरूरत होती है। सही मात्रा में पानी, आटे को आराम देना और तवे का सही तापमान जैसी छोटी-छोटी बातें रोटी की गुणवत्ता में बड़ा अंतर ला सकती हैं।

अगर आपकी रोटियां भी अक्सर सख्त, टेढ़ी-मेढ़ी या बिना फूले रह जाती हैं, तो यहां बताए गए आसान टिप्स आपकी मदद करेंगे। इन ट्रिक्स को अपनाकर आप हर बार नरम, गोल और स्वादिष्ट रोटियां बना सकते हैं।

सही तरीके से आटा गूंधें

अच्छी रोटी की शुरुआत अच्छे आटे से होती है। आटा गूंधते समय धीरे-धीरे पानी डालें ताकि उसका टेक्सचर न ज्यादा सख्त हो और न ही बहुत ढीला। आटा मुलायम और चिकना होना चाहिएचाहें

तो गूंधते समय 1-2 चम्मच दूध या थोड़ा-सा तेल मिला सकते हैं, जिससे रोटियां अधिक नरम बन सकती हैं।

आटे को आराम देना बिल्कुल न भूलें

आटा गूंधने के तुरंत बाद रोटी न बेलें। उसे 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें। इससे आटे में नमी समान रूप से फैलती है। ग्लूटेन बेहतर तरीके से विकसित होता है, जिससे बेलना आसान हो जाता है।

बेलते समय ज्यादा सूखा आटा न लगाएं

बहुत ज्यादा सूखा आटा लगाने से रोटी सूखी और सख्त हो सकती है। हल्का-सा सूखा आटा इस्तेमाल करें। बेलन पर समान दबाव रखें ताकि रोटी गोल आकार ले सके।

तवे का तापमान सही रखें

अगर तवा बहुत ठंडा होगा तो रोटी सूख जाएगी। बहुत ज्यादा गर्म होगा तो जल सकती है। मध्यम से तेज आंच पर पहले तवा अच्छी तरह गर्म करें, फिर रोटी सेंकें। सही तापमान पर रोटी अच्छी तरह फूलने की संभावना बढ़ जाती है। रोटी बनने के बाद उसे तुरंत ढक्कन वाले हॉटकेस या साफ सूती कपड़े में रखें। इससे उसकी नमी बनी रहती है और वह लंबे समय तक मुलायम रहती है।

मसालों की उड़ गई खुशबू तो ऐसे करें खराब होने की पहचान

डिब्बों में रखे मसालों की एक्सपायरी डेट पता लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सभी सोच में पड़ जाते हैं कि हमें इस मसाले का इस्तेमाल करना चाहिए या नहीं। अगर आप भी यह सोच रहे हैं, तो आपको इस पर विस्तार से जानकारी लेनी चाहिए।

ऐसे करें फ्रेश मसाले की पहचान

फ्रेश मसाले की सबसे बड़ी पहचान उनकी तीखी और प्राकृतिक खुशबू होती है। अगर मसाले से खुशबू नहीं आ रही, तो इसका मतलब है कि मसाला खराब हो चुका है। आप थोड़ा मसाला हाथ में डालकर भी चेक कर सकती हैं। अगर स्वाद कड़वा, अजीब या फीका लगे तो इसका मतलब है कि यह खराब हो चुका है। अगर मसाले में गांठ बनने लगे या नमी जरूरत से है तो इसकी क्वालिटी खराब हो जाएगी।हमेशा पैकेट पर लिखी मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट चेक करें। फिर 6-12 महीने पुराने मसाले अपनी असली खुशबू और स्वाद खोने लगते हैं। फ्रेश पाउडर मसाले हाथ में रगड़ने पर स्मूथ महसूस होते हैं, जबकि पुराने मसाले की बनावट खुरदुरी और बासी लगती है।

कैसे बताएं कि मसाले अच्छे हैं या नहीं?

मसालों की क्वालिटी चेक करने के लिए आप पानी का टेस्ट करके देख सकती हैं। इसके लिए पानी में एक चुटकी पिसे हुए मसाले डालें। अगर मसाले नीचे बैठ गए, तो इसका मतलब है कि मसाले शुद्ध और अच्छे हैं। इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

कूलडाउन करते समय न करें ये गलतियां, वरना मसल्स रिकवरी हो सकती है स्लो

हेल्दी और क्लीन डाइट ,रनिंग ,साइकिलिंग ,जिम जाकर वर्कआउट करना ,जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूर रहना ,योग करना आदि वो तरीके हैं, जिससे किसी को भी स्वस्थ रहने में मदद मिल सकती है। रोजाना वर्कआउट करने के भी कई फायदे होते हैं। लेकिन वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी भी काफी जरूरी होती है। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी के लिए, कुछ लोग सोर मसल्स में आराम देने वाले फूड का सेवन करते हैं; तो कुछ हाई प्रोटीन डाइट का सेवन करते हैं। मसल्स रिकवरी में कुछ विटामिन भी मदद कर सकते हैं। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी के लिए गहरी नींद भी जरूरी है, जिसके लिए सोने के ये तरीके भी अपना सकते हैं। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी और इंजुरी से बचने के लिए कूल डाउन प्रोसेस भी करनी होती है। कूलिंग डाउन प्रोसेस आपकी हृदय गति को धीरे-धीरे कम करने के लिए पर्याप्त समय देता है, जो आपके शरीर को रिकवरी मोड में ले जाता है। कूल डाउन जब सही तरीके से किया जाता है, तो इसके अलावा स्टैटिक स्ट्रेचिंग या फोम रोलिंग शामिल है, जो थके हुए मसल्स को आराम देते हैं।

कूल डाउन के दौरान होने वाली गलतियां- कूल डाउन में भले ही इसमें केवल कुछ मिनट लगते हैं, लेकिन वर्कआउट के बाद यह काफी जरूरी है। हो सकता है आप कूल डाउन की प्रोसेस के दौरान कुछ गलतियां कर रहे हों, जिस कारण से बॉडी सही से रिकवर नहीं हो पा रही हो। इसलिए कूलडाउन के समय गलतियां करने से बचें।

हर वर्कआउट के बाद कूलडाउन न करें- ज्योफ ट्रिप , ट्रेनियाक में फिटनेस साइंस के हेड के मुताबिक, एक्सरसाइज के बाद कम से कम पांच मिनट का क्विक कूलडाउन प्रोसेस करने से मसल्स रिकवरी की प्रोसेस बढ़ जाती है। एक्सरसाइज के दौरान आपका शरीर कई तनावपूर्ण प्रक्रियाओं से गुजरता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, वर्कआउट के दौरान जो टेंशन क्रिएट होती है उस दौरान कैमिकल ब्रेक होते हैं, जो कि मसल्स में दर्द और थकान पैदा करते हैं। एक एक्टिव रिकवरी करने वाला कूलडाउन करके, उसके बाद स्ट्रेच करके मसल्स रिकवरी प्रोसेस की ओर आगे बढ़ सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर एक्सरसाइज के बाद कूलडाउन करें।

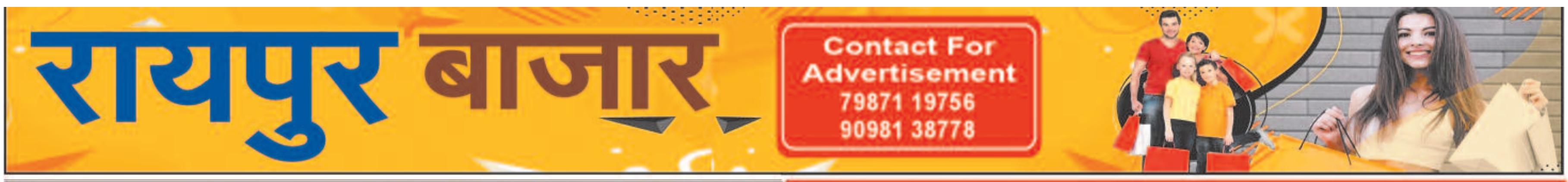

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

स्नूप डॉग की बायोपिक की रिलीज डेट का एलान, इंतजार करना होगा 2027 का

रैप आइकन और एक्टर स्नूप डॉग की जिंदगी पर बनने वाली बायोपिक अब आधिकारिक तौर पर आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूनिवर्सल पिक्चर्स इस फिल्म को 6 अगस्त 2027 को रिलीज करेगा। यह फिल्म स्नूप डॉग के एक कलाकार से लेकर बड़े म्यूजिक मोगुल और गैंगस्टा रैप आइकन बनने तक के सफर को दिखाएगी।
इस फिल्म को क्रेग ब्रेवर डायरेक्ट करेंगे, जो 'हसल एंड फ्लो' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। स्क्रिप्ट को उन्होंने जो रॉबर्ट कोल की ओरिजिनल कहानी पर दोबारा लिखा है।
फिल्म में स्नूप डॉग का किरदार एक्टर जोनाथन डेविस निभाएंगे। यह फिल्म डेथ रो पिक्चर्स और एनबीसी यूनिवर्सल एंटरटेनमेंट के बीच हुए डील के तहत पहला प्रोजेक्ट होगी। इसे इमेजिन एंटरटेनमेंट के ब्रायन ग्रेजर, खुद स्नूप डॉग और डेथ रो पिक्चर्स की प्रेसिडेंट सारा रामाकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में स्नूप डॉग के मशहूर गाने भी शामिल होंगे, जैसे 'ड्रोप इट लाइक इट्स होट', 'गिन एंड जूस', 'व्हाट्स माय नेम' और 'नथिन बट ए जी थिंग'।
हालांकि अभी कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी साफ नहीं है कि फिल्म उनके पूरे करियर को दिखाएगी या किसी खास दौर पर फोकस करेगी। स्नूप डॉग एक पॉपुलर रैपर ही नहीं, बल्कि सिंगर, सॉन्गराइटर, एक्टर, प्रोड्यूसर, डीजे और बिजनेसमैन भी हैं। उन्होंने 1992 में अपने करियर की शुरुआत की थी, जब वह डॉ. ड्रे के गाने 'डीप कवर' और एल्बम 'द क्रोनिक' में नजर आए थे। इस बायोपिक का ऐलान पहली बार 2022 में हुआ था।

टॉलीवुड

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न अगले महीने, तमिल फिल्म से शुरुआत

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 का आयोजन 13 से 23 अगस्त तक होने वाला है। इसमें महोत्सव में सबसे पहली फिल्म के तौर पर एक तमिल फिल्म 'मेंबर्स ऑफ द प्रॉब्लमेटिक फैमिली' से होगी। महोत्सव में फिल्म का ऑस्ट्रेलियाई प्रीमियर होगा। इस प्रीमियर में निर्देशक आर गौतम और मुख्य अभिनेता करुथथदयान मेलबर्न में उद्घाटन रात्रि समारोह में भाग लेंगे। इस साल आईएफएफएम का संस्करण 13 से 23 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जबकि शुरुआती फिल्म 14 अगस्त को दिखाई जाएगी। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक श्रेणियों में नामांकन मिला है। बेहतरीन निर्देशन वाली यह फिल्म प्रभा नामक एक मानसिक रूप से अस्थिर लड़के की अजीब मौत की कहानी है। उसकी मृत्यु उसके अंतिम संस्कार समारोह में बड़े परिवार के सदस्यों को एक साथ लाती है। उसके अंतिम संस्कार का कार्यक्रम सोलह दिनों तक चलता है। जैसे ही शोक मनाने वाले सदस्य अपने खोए हुए रिश्तेदार का शोक मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं, दबी हुई भावनाएं और कठिन रिश्ते धीरे-धीरे सामने आने लगते हैं। इस कलाकारों के समूह के माध्यम से, यह फिल्म रिश्तों पर नुकसान के प्रभाव को दर्शाती है। यह दिखाती है कि परिवारों और समुदायों के बीच भावनात्मक संबंध कितने नाजुक हो सकते हैं। वर्षों से, इस महोत्सव ने क्षेत्रीय भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 'मेंबर्स ऑफ द प्रॉब्लमेटिक फैमिली' ने अपनी भावनात्मक रूप से गूंजती कथा के साथ उस परंपरा को जारी रखा है। सम्मान के बारे में बात करते हुए, निर्देशक आर गौतम ने कहा 'मेंबर्स ऑफ द प्रॉब्लमेटिक फैमिली' एक गहरी व्यक्तिगत कहानी है जो दुख, परिवार और हर समुदाय के भीतर मौजूद जटिलताओं की जांच करती है।

भोजपुरी

भोजपुरी एक्टर रोहित की मौत, याद किए गए उनके किरदार

भोजपुरी फिल्म एक्टर और डायरेक्टर रोहित शर्मा की हाल ही में एक हादसे में मौत हो गई। 21 जुलाई की तड़के सुबह रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और रौंद डाला। रोहित का हेलमेट टूट गया और सिर के साथ पैर पर गंभीर चोटें आईं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रोहित शर्मा के साथ बाइक पर उनका दोस्त भी मौजूद था, जो गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज चल रहा है। रोहित शर्मा के भाई मंजेश ने बताया कि रोहित शर्मा सोमवार, 20 जुलाई की शाम मलिहाबाद एक भोजपुरी फिल्म की शूटिंग पर गए थे। साथ में उनका दोस्त भी था। लेकिन मंगलवार तड़के जब दोनों बाइक पर वापस लौट रहे थे, तो रॉन्ग साइड से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और कुचल दिया। वह ट्रक गुडंबा के रिंग रोड पर टीवीएस शोरूम के सामने डिवाइडर तोड़कर रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार से आ रहा था।
बताया जा रहा है कि यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि रोहित शर्मा का हेलमेट टूट गया और पैर और सिर पर गंभीर चोटें आईं। ट्रक ड्राइवर घटनास्थल से तुरंत फरार हो गया। वहीं जब पुलिस मौके पर पहुंचीं, तो रोहित शर्मा और उनके दोस्त को गंभीर हालत में राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां रोहित शर्मा की इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं दोस्त शोभित का इलाज चल रहा है, पर उसकी हालत गंभीर है। रोहित शर्मा के परिवार में अब सिर्फ पिता मगन शर्मा, मां गायत्री और छोटा भाई रह गए हैं। पिता फर्नीचर का काम करते हैं।

शाही अंदाज

आमतौर पर शाही पार्टियों में ज़मीन तक लंबे, खास बनावट वाले इवनिंग गाउन, अच्छी तरह फिट होने वाले टक्सीडो और शानदार एक्सेसरीज़ पहनी जाती हैं। इस शाही अंदाज के लिए अपने लुक को और बेहतर बनाने वेलवेट, भारी साटन या ब्रोकेड जैसे शानदार फ़ैब्रिक भी खूब खिलता है। फ़ॉक्स-फ़र स्टोल, खास तरह की ज्वेलरी और बंद-पंजे वाले जूते ऐसी महफिलों की शान होते हैं।

लाइफ स्टाइल

होममेड स्किन केयर में गलती से भी न करें ऐसा घालमेल, स्किन को हो सकता है भारी नुकसान

जब भी स्किन की केयर करने की बात होती है, तो उसके लिए नेचुरल किचन इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। अमूमन लोग यह मानते हैं कि किचन इंग्रीडिएंट्स ना केवल बजट फ्रेंडली होते हैं, बल्कि स्किन के लिए सुरक्षित भी होते हैं। यह बात सच है, लेकिन पूरी तरह से नहीं। अगर आप सोचती हैं कि बस कुछ नेचुरल किचन इंग्रीडिएंट्स को मिक्स करके व लगाकर आप एक दमकती स्किन पा सकती हैं तो आप गलत है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन किचन की हर चीज़ स्किन के लिए नहीं बनी होती। कई बार हम बिना सोचे कुछ भी मिक्स कर देती हैं और फिर जब उसे अपनी स्किन पर लगाती हैं तो इससे स्किन को फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है। इसकी वजह से रेडनेस, स्किन इरिटेशन या फिर ब्रेकआउट्स आदि की शिकायत हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और

स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट आपको कुछ ऐसे ही इंग्रीडिएंट्स के बारे में बता रही हैं, जिन्हें आपको अपने होममेड स्किन केयर में इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

कच्चा अंडा

अक्सर महिलाएं स्किन टाइटनिंग के लिए अंडे का इस्तेमाल करना पसंद करती हैं। लेकिन आपको स्किन पर कच्चा अंडा लगाने से बचना चाहिए। दरअसल, इसमें साल्मोनेला नाम के बैक्टीरिया हो सकते हैं, जिसे अगर कटी-फटी स्किन पर लगाया जाता है तो इससे इंफेक्शन या एलर्जी की शिकायत हो सकती है। बेहतर होगा कि स्किन टाइट करने के लिए आप कच्चे अंडे की जगह एलोवेरा या दही का इस्तेमाल करें।

जायफल

अगर आप अपने स्किन केयर रूटीन में जायफल शामिल करने के बारे में सोच रही हैं तो जरा रुक जाइए। जायफल सेहत के लिए काफी लाभदायक है। लेकिन स्किन के लिए इसका इस्तेमाल करना उतना अच्छा विचार नहीं है। दरअसल, यह बहुत स्ट्रॉन्ग होता है जिसकी वजह से स्किन पर जलन या एलर्जी की शिकायत हो सकती है। इसकी वजह से आपको स्किन पर रेडनेस, दाने या रैशेज हो सकते हैं। बेहतर होगा कि आप जायफल की जगह थोड़ी सी मात्रा में हल्दी का इस्तेमाल करें।

रॉयल लुक के लिए स्टाइल करें खूबसूरत डिजाइंस वाली प्री ड्रेप्ड साड़ी

अगर आप न्यू डिजाइन की साड़ी चाहती हैं तो, आप इस तरह की प्री-ड्रेप्ड साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस साड़ी को आप कई सारे कलर एयर डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीदकर कई सारे खास मौकों पर स्टाइल कर सकती हैं।

शादी, पार्टी और इवेंट, इन सभी खास मौकों पर ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए महिलाएं साड़ी स्टाइल करना पसंद करती हैं और ये आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन में मिल जाएंगी। लेकिन, अगर आप न्यू और रॉयल लुक चाहती हैं। तो, आप ये खूबसूरत डिजाइंस वाली ये प्री ड्रेप्ड साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी आप कई सारे खास मौकों पर स्टाइल कर सकती हैं और इस साड़ी में आपका लुक सुंदर नजर आएगा साथ ही, आपका लुक भी रॉयल लगेगा।

खूबसूरत डिजाइंस वाली ये प्री ड्रेप्ड साड़ी

रॉयल लुक पाने के लिए हम आपको खूबसूरत डिजाइंस वाली 3 प्री ड्रेप्ड साड़ी के ऑप्शन दिखा रहे हैं। इस तरह की साड़ी आप किसी भी खास मौके पर सुंदर और रॉयल लुक पाने के लिए स्टाइल कर सकती हैं और ये साड़ी आपको सस्ते कीमत में मिल जाएंगी।

प्लेन रुफल साड़ी

रॉयल लुक के लिए आप इस तरह की साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी ब्लैक कलर में है और ये साड़ी आप किसी इवेंट या ऑफिस की पार्टी में शामिल होने के दौरान स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी आपको 700 से 1,000 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। इस साड़ी को आप स्ट्रेप वाल डीप नेक ब्लाउज के साथ वियर कर सकती हैं और इस साड़ी के साथ आप स्टोन वर्क वाली ज्वेलरी वियर कर सकती हैं। अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं तो, आप इस तरह की सिल्क साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी सिल्क में है साथ ही, बेहद ही अलग और खूबसूरत रुफल डिजाइन में है।

प्लेन चूड़ियों का बनाएं सेट, हर साड़ी के साथ करेंगी मैच

यदि आप चूड़ियों का सेट बनाते समय इस बात को लेकर कंफ्यूज रहती हैं, कि इसमें किस तरह के कंगन लगाए जाएं ताकि वो खूबसूरत नजर आएं। आज हम आपको ऐसे ही कुछ प्लेन चूड़ियों के सुंदर सेट बनाने का तरीका सिखाने जा रहे हैं। जिनको आप भी ट्राई करके अपने हाथों की शोभा बढ़ा सकती हैं।

गजरा बीड्स कंगन के संग करें पेयर

सबसे पहले आपको किसी भी चूड़ी का सेट बनाते समय अपने ड्रेस के कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना पड़ता है। यदि आपके साड़ी या लहंगे में दो कलर हैं, तो कोई भी प्लेन वेलवेट चूड़ियां लेकर उसके संग तस्वीर में दिखाए गए गजरा बीड्स कंगन को दोनों साइड लगाकर शानदार बैंगल्स सेट बना सकती हैं। यह पहनने के बाद काफी एलिगेंट और खूबसूरत लगता है।

कुंदन स्टोन कंगन के साथ बनाएं सेट

आप किसी भी रंग की मेटल या कांच की प्लेन चूड़ी के साथ फोटो में दिखाए गए सिल्वर कलर के कुंदन स्टोन कंगन को पेयर करें। आप प्लेन चूड़ी के साथ बीच-बीच में पतली पतली सिल्वर चूड़ियां भी सेट कर सकती हैं। इस तरह का सेट बनकर बहुत ही ज्यादा सुंदर लगता है। यदि आपके ऑउटफिट में सिल्वर वर्क है तो आप सिल्वर और गोल्डन है तो उस रंग के कंगन सेट करें।

फोटो प्रिंट टसल कंगन

आजकल नाम लिखे हुए या खुद की और भगवान की फोटो प्रिंट वाले कंगन भी काफी मार्केट में डिमांड में चल रहे हैं। इनमें आपको दो का ही सेट मिलेगा।

बिना पानी और शैंपू के हटाएं बालों का ऑयल, जानें आसान हैक्स

बिना शैंपू के आप बालों में अगर ऑयल को कम करना चाहते हैं, तो इसके लिए जरूरी है कि आप कुछ आसान हैक्स को ट्राई करें। इससे आपके बाल अच्छे नजर आएंगे। साथ ही, आपको ज्यादा चीजों के इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ड्राई शैंपू का कर सकती हैं इस्तेमाल

कई बार ऐसा होता है कि हम बालों को वॉश करने से बचते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पास समय कम होता है। इसके लिए आप ड्राई शैंपू का इस्तेमाल कर सकती हैं। ड्राई शैंपू आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएगा। जिसे आप बालों में से एक्सट्रा ऑयल को कम करने के लिए इतेमाल कर सकते हैं। बस इसे बालों की जड़ों पर स्प्रे करें और हल्के हाथों से मसाज करें। बाल तुरंत फ्रेश और वॉल्यूम वाले लगेंगे। साथ ही, इससे हेयर स्टाइल भी आसानी से बन जाएगा।

टिशू पेपर का करें इस्तेमाल

आप अपने बालों से एक्स्टा ऑयल को कम करने के लिए टिशू पेपर का इस्तेमाल करें। इसके इस्तेमाल को

करने के लिए आपको बालों में लगाना है और टेब करके बालों का एक्स्ट्रा ऑयल को सूखाना है। इसके बाद बालों में ड्राई शैंपू का इस्तेमाल करना है। इससे आपके बाल हेल्दी नजर आएंगे। साथ ही, बालों का चिपचिपापन कम हो जाएगा।

हेयर स्टाइल से करें मैनेज

जब समय कम हो और बाल ऑयली हो तो टाइट पोनीटेल, जूड़ा या ब्रेड बनाएं। इससे बाल भी अच्छे दिखेंगे और ऑयल भी कम नजर आएगा।

कार्नर न्यूज

आपका सलेक्शन लोगों की नजरों को भा जाएगा

मेंस फैशन में बेस्ट एथनिक लुक के लिए इन्हें बनाइए अपनी परफेक्ट चॉइस, मिलेगी तारीफ

फेस्टिव सीजन पर बेस्ट दिखना है। भले ही इस बार बड़ी पार्टी नहीं होगी। लोग कम मिले-जुलेंगे लेकिन त्योहारों पर अच्छे से तैयार होना आप कैसे भूल सकते हैं। आप नई ड्रेस खरीदेंगे, या पहले वाली को ही नए अंदाज में पहनेंगे। आपका चुनाव, जो भी हो लेकिन आपके लुक को 'बेस्ट एथनिक वियर' वाली तारीफ तो जरूर मिलनी चाहिए। इसके लिए आप किसी डिजाइनर के पास बिल्कुल न जाएं, न ही दोस्तों से राय लें। बल्कि घर बैठे, हमसे जान लें कि कैसे एक साधारण सी फेस्टिव ड्रेस को हाई फैशन एथनिक वियर बनाया जा सकता है। इसमें आपको कुछ ऐसे प्रोडक्ट्स के बारे में बताया जाएगा, जो कम दाम भी स्टाइलिश हैं।
इन प्रोडक्टस की क्वालिटी आपका दिल जीत लेगी। बिल्कुल बेसिक सी ड्रेस के स्टाइलिश लुक के लिए आपको चुनने चाहिए कौन से कपड़े, आइए जान लेते हैं-

बेसिक्स शॉर्ट कॉटन कुर्ता नेवी

मैंडेरियन कॉलर वाला ये शॉर्ट कुर्ता फुल स्लीव्स का है। शॉर्ट कुर्ते की

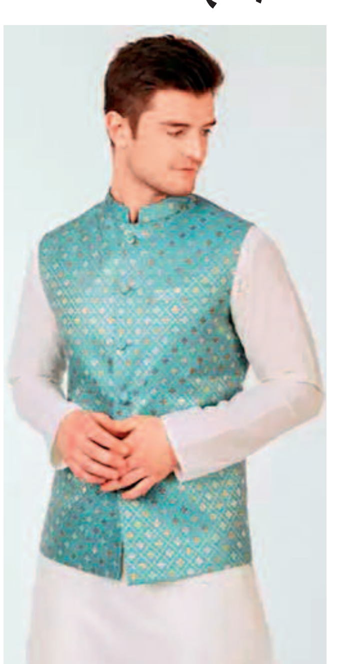

खासियत यह होती है कि इसे पायजामे, जींस या पैंट के साथ भी आसानी से पहना जा सकता है। कह सकते हैं कि इसकी जोड़ी किसी के साथ खूब जमती है। इस कुर्ते के साथ भी यही फायदा है। इसका रंग भी नेवी है, जो लगभग हर रंग पर अच्छा लगता है। 100 प्रतिशत कॉटन से बना ये कुर्ता सिंपल और सोबर वाला फील देता है। इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जो लुक के साथ एक्सट्रा दिखे। आरामदायक होने के साथ स्टाइलिश भी होना इसकी खासियत में शुमार है।
जींस के साथ ये इंडोवेस्टर्न लुक देगा तो ट्रेडीशनल लुक के लिए लिनेन ट्राउजर्स के साथ इसे पहनना अच्छा रहेगा। यह एक ऐसा आउटफिट है, जिसे अपकी वार्डरोब का हिस्सा होना ही चाहिए।
गूंज : ब्लू फ्लोरल प्रिंट कॉटन कुर्ता
फूलों से सजा ये कुर्ता फेस्टिवल में आपके लुक को सुधारने की पूरी कोशिश करेगा। इसका प्रिंट आपके पास पहले से रखे पायजामे और धोती पैंट्स पर अच्छा लगता है। ये कुर्ता किसी छोटे आयोजनों में भी आपको बेस्ट लुक देगा और लोग आपके ऊपर से अपनी नजर नहीं हटा पाएंगे। इस कुर्ते के साथ जींस पहनें या पायजामा लेकिन साथ में ब्लैक या ब्राउन कलर की सैंडल बहुत अच्छी लगेंगी। इस तरह से आपके एथनिक लुक पर चार-चंद लग जाएंगे। इसके मैंडेरियन कॉलर के साथ हाफ बटन प्लैकेट है और साथ में लॉन्ग स्लीव्स भी।

ब्लू ब्रोकेड सेल्फ विव्ड नेहरू जैकेट

नेहरू जैकेट ऐसा आउटफिट है, जो कई एथनिक को बेस्ट बना देता है। ये जैकेट सफेद कुर्ते को बेहतरीन लुक देती है तो प्रिंटेड के साथ भी मैच कर जाती है। Armen & Co की ओर से लॉन्च इस नेहरू जैकेट का लुक बिल्कुल ही निराला है।